Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi
Ranchi ● Monday, 21 August 2023 ● Year : 01 ● Issue : 215 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

मनुष्य को अपने लक्ष्य में कामयाब होने के लिए खुद पर विश्वास होना बहुत जरूरी है।

जरीन खान को हुआ डेंगू

SHARE

सेंसेक्स	:	64,948.66
निफ्टी	:	19,310.15

SARAFA

सोना	:	5,545
चांदी	:	76.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

चीन ने तैनात किए मालाबार अभ्यास की निगरानी के लिए सैकड़ों उपग्रह

NEW DELHI : हमेशा से चीन की आंखों की किरकिरी बने क्वाड देशों के मालाबार अभ्यास के बीच भारतीय पनडुब्बी आईएनएस वागिर को ऑस्ट्रेलिया के फ्रेमेंटल में तैनात किया गया है। ऑस्ट्रेलिया पहली बार क्वाड देशों की नौसेनाओं के मालाबार अभ्यास की मेजबानी कर रहा है। चीन ने क्वाड के मालाबार नौसैनिक अभ्यास की निगरानी के लिए सैकड़ों उपग्रह तैनात किए हैं। ऑस्ट्रेलिया पहुंची भारतीय पनडुब्बी रॉयल ऑस्ट्रेलियाई नौसेना (आरएएन) इकाइयों के साथ विभिन्न अभ्यासों में भाग लेगी।

डीआरडीओ का तापस यूएवी चित्रदुर्ग टेस्ट रेंज में दुर्घटनाग्रस्त

NEW DELHI : रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) का स्वदेशी तापस यूएवी रविवार को बेंगलुरु के चित्रदुर्ग टेस्ट रेंज में उड़ान परीक्षण के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। तेज आवाज के साथ यूएवी के दुर्घटनाग्रस्त होते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दी। इस घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। तापस का पूरा नाम टेक्टिकल एयरबॉर्न प्लेटफॉर्म फॉर एरियल सर्विलांस बेयॉन्ड होराइजन (टीएपीएएस) है। यह एक मीडियम एल्टीट्यूट लॉन्ग-इंड्यूरेंस ड्रोन है, जो अमेरिका के एमक्यू-1 प्रीडेटर ड्रोन जैसा ही है। तापस अपने आप ही टेक ऑफ और लैंड करने की क्षमता रखने वाला ड्रोन है।

अमेरिका की महावाणिज्य दूत मेलिंडा 25 को आएंगी एक्सएलआरआई

JAMSHEDPUR : अमेरिका की महावाणिज्य दूत मेलिंडा पावेक 25 अगस्त को एक्सएलआरआई जमशेदपुर आएंगी। पावेक एक्सएलआरआई के ई-सेल के विद्यार्थियों को सप्लाई चेन मैनेजमेंट की चुनौतियों के साथ इस क्षेत्र में क्या कुछ संभावनाएं हैं, इसकी जानकारी देंगी। इसके लिए एक्सएलआरआई प्रबंधन ने तैयारी शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक सरकार जनजातीय समुदाय को उद्यमिता से जोड़ने की दिशा में काम कर रही है।

चंदा मामा से सिर्फ 25 KM दूर चंद्रयान-3

चंद्रमा की सतह पर 23 अगस्त को शाम 6:04 बजे करेगा लैंडिंग, कम की गई स्पीड

AGENCY BENGALURU : चंद्रयान-3 का दूसरा और फाइनल डीबूस्टिंग ऑपरेशन शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात 1 बजकर 50 मिनट पर पूरा हुआ। इस ऑपरेशन के बाद लैंडर की चंद्रमा से न्यूनतम दूरी 25 किमी और अधिकतम दूरी 134 किलोमीटर रह गई है। डीबूस्टिंग में स्पेसक्राफ्ट की स्पीड को धीमा किया जाता है। इसरो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर पोस्ट में बताया कि अब लैंडर की इंटरनल जांच होगी और जब तक लैंडिंग साइट पर सूरज नहीं निकलता तब तक इंतजार किया जाएगा। 23 अगस्त को शाम 6:04 बजे सबसे कम दूरी यानी 25 किलोमीटर की ऊंचाई से सॉफ्ट लैंड कराने की कोशिश की जाएगी। चंद्रयान-1 और चंद्रयान-2 मिशन के प्रोजेक्ट डायरेक्टर रहे एम. अन्नादुरई के मुताबिक, 23 अगस्त की शाम को चंद्रयान-3 के लैंडर को 25 किमी की ऊंचाई से चांद की सतह तक पहुंचने में 15 से 20 मिनट लगेंगे। यही समय सबसे क्रिटिकल होने वाला है।

यह तस्वीर इसरो ने रविवार को अपने ट्विटर अकाउंट पर शेयर की है।

इसके बाद विक्रम लैंडर से रैंप के जरिए छह पहियों वाला प्रज्ञान रोवर बाहर आएगा और इसरो से कमांड मिलते ही चांद की सतह पर चलेगा। इस दौरान इसके पहिए चांद की मिट्टी पर भारत के राष्ट्रीय चिह्न अशोक स्तंभ और इसरो के लोगो की छाप छोड़ेंगे। इससे पहले 17 अगस्त को चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल को लैंडर-रोवर से अलग किया गया था। सेपरेशन के बाद लैंडर ने प्रोपल्शन मॉड्यूल से कहा- 'थैंक्स फॉर द राइड मेट।' इस दौरान लैंडर पर लगे कैमरे ने प्रोपल्शन मॉड्यूल की फोटो के साथ चंद्रमा की भी तस्वीरें खींचीं।

5 अगस्त को चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा था यान

22 दिन के सफर के बाद चंद्रयान 5 अगस्त को शाम करीब 7:15 बजे चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा था। तब उसकी स्पीड कम की गई थी, ताकि यान चंद्रमा की ग्रैविटी में कैप्चर हो सके। स्पीड कम करने के लिए इसरो वैज्ञानिकों ने यान के फेस को पलटकर थ्रस्टर 1,835 सेकेंड यानी करीब आधे घंटे के लिए फायर किए। ये फायरिंग शाम 7:12 बजे शुरू की गई थी।

रूस को झटका, स्पेसक्राफ्ट क्रैश

AGENCY MOSCOW : रूस का लूना-25 स्पेसक्राफ्ट क्रैश हो गया है। स्पेस एजेंसी रॉस्कॉस्मॉस ने रविवार को इसकी जानकारी दी। स्पेस एंजेसी ने बताया कि शनिवार शाम 05:27 बजे उसका स्पेसक्राफ्ट से संपर्क टूट गया था। प्री-लैंडिंग ऑर्बिट बदलने के दौरान इसमें गड़बड़ी हुई थी। लूना को 21 अगस्त को चंद्रमा के साउथ पोल पर लैंड होना था। रॉस्कॉस्मॉस ने बताया कि लूना-25 के फ्लाइट प्रोग्राम के अनुसार प्री-लैंडिंग कक्षा (18 किलोमीटर*100 किलोमीटर) में प्रवेश कराने के लिए कमांड दिया गया था। ये कमांड भारतीय समयानुसार शनिवार दोपहर 04:30 बजे दिया गया था। इस दौरान लूना पर इमरजेंसी कंडीशन बन गई क्योंकि स्पेसक्राफ्ट एक्चुअल पैरामीटर के अनुसार थ्रस्टर फायर नहीं कर पाया। स्पेस एजेंसी ने कहा कि शुरूआती एनालिसिस के नतीजों से पता चलता है कि कैलकुलेशन से जो पैरामीटर सेट किए गए थे उन पैरामीटरों से स्पेसक्राफ्ट डेविएट हो गया। कैलकुलेटेड वैल्यू जितनी चाहिए थी ये उससे ज्यादा थी। इससे थ्रस्टर ज्यादा देर के लिए फायर हुए और स्पीड कम होने से स्पेसक्राफ्ट एक ऑफ-डिजाइन ऑर्बिट में चला गया और चांद पर क्रैश हो गया। लूना-25 को 11 अगस्त को सोयूज 2.1बी रॉकेट के जरिए वोस्तोनी कॉस्मोड्रोम से लॉन्च किया गया था। लूना-25 को उसी दिन अर्थ की ऑर्बिट से चांद की तरफ भेज दिया गया था। स्पेसक्राफ्ट 16 अगस्त को दोपहर 2:27 बजे चांद की 100 किलोमीटर की ऑर्बिट में पहुंच गया था। स्पेशली फॉर्म्ड इंटरडिपार्टमेंटल कमीशन अब लूना-25 के क्रैश होने की जांच करेगा। रूस ने 47 साल बाद चांद पर अपना मिशन भेजा था। इससे पहले उसने 1976 में लूना-24 मिशन भेजा था।

MP में सियासी जंग तेज शाह ने कांग्रेस को ललकारा

हिम्मत है तो अपना रिपोर्ट कार्ड दिखाएं

AGENCY BHOPAL : केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को भोपाल प्रवास के दौरान कांग्रेस को चुनौती देते हुए कहा कि हमने मध्य प्रदेश को 20 साल में विकसित राज्य के रूप में आगे ले जाने काम किया है। आत्म निर्भर मध्य प्रदेश की नींव इन वर्षों में रखी गई। उन्होंने कांग्रेस के लोगों से पूछा कि आपने मध्यप्रदेश के साथ कितना न्याय किया, इसका हिसाब दीजिए। आंकड़े लेकर नौ करोड़ जनता के सामने आइए। केंद्रीय गृह मंत्री शाह आज कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में करीब कल्याण महाअभियान के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश का गठन 1956 में हुआ, तब से 2003 तक कांग्रेस का शासन रहा। कांग्रेस ने मध्यप्रदेश को 53 साल में बीमारू राज्य बनाया। उन्होंने कांग्रेस को चुनौती देते हुए कहा कि 'हिम्मत है तो आपके 50 साल का रिपोर्ट कार्ड लेकर आइए। 2004 से 14 में जब सोनिया-मनमोहन सरकार

थी, मध्यप्रदेश को एक लाख 58 हजार करोड़ रुपये सिर्फ 10 साल में दिए। मोदी सरकार ने नौ साल में आठ लाख 30 हजार करोड़ रुपये मध्यप्रदेश को देने का काम किया। उन्होंने इस मौके पर मध्य प्रदेश की शिवराज सिंह चौहान सरकार के 20 साल (2003-2023) का रिपोर्ट कार्ड जारी किया। कार्यक्रम में उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को बेहद मेहनती बताते हुए अपने संबोधन की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि 'हमने एक बीमारू राज्य को देश के सबसे विकसित राज्य में पहुंचाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि आने वाले अमृतकाल का समय मध्य प्रदेश के लिए बेमिसाल साबित होगा। हर क्षेत्र में एमपी आगे बढ़ रहा है।

नक्सलियों ने हत्या कर शव को सड़क पर फेंका

घटनास्थल पर पर्चा छोड़ा, कोल्हान में दहशत

शव को सड़क पर रखकर हंगामा करते ग्रामीण ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम (कोल्हान) जिले के नक्सल प्रभावित गोइलकेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत लोवाबेड़ा के समीप नक्सलियों ने एक शख्स की हत्या कर दी। नक्सलियों ने शख्स को पुलिस का मुखबिर बताकर उसका गला रेत दिया। घटना शनिवार रात की बताई जा रही है। रविवार की सुबह ग्रामीणों ने शव देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। पश्चिमी सिंहभूम के एसपी आशुतोष शेखर ने घटना की पुष्टि की है। घटना की सूचना पाकर पुलिस जवान भी दलबल के साथ घटना स्थल के लिए रवाना हुए। पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने बताया कि गोइलकेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत लोवाबेड़ा के समीप जंगल में नक्सलियों ने पुलिस मुखबिर बताकर 62 वर्षीय रदों सुरीन उर्फ डायबोर नाम के ग्रामीण की गला रेत कर हत्या कर दी है। रदों सुरीन उर्फ डायबोर कदमडीह गांव के हारिबुरु टोला का निवासी थी। फिलहाल, वह लोवाबेड़ा वनग्राम में रह रहा था। हालांकि, उन्होंने बताया कि रदों सुरीन का पुलिस से कोई लेना देना ही नहीं था। नक्सलियों ने मुखबिरी का आरोप लगाकर उसकी हत्या की है। शख्स की हत्या करने के बाद नक्सलियों ने घटनास्थल पर एक पर्चा भी फेंका है। जानकारी के मुताबिक, रदों सुरीन कदमडीहा पंचायत के उप मुखिया डोरसोना सुरीन के बड़े भाई हैं। नक्सलियों ने रदों की हत्या कर शव को गोइलकेरा चाईबासा मुख्य मार्ग के गीतिलपी चौक में फेंक दिया गया और वहां एक नक्सली पर्चा भी छोड़ा। पर्चे में लिखा गया है कि बार बार समझाने के बाद भी इसने मुखबिरी बंद नहीं की, इसलिए अंजाम भुगतना पड़ा।

खुलासा: माओवादी नेता की गिरफ्तारी का बदला लेने के लिए रची गई थी बड़े हमले की साजिश

RANCHI : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की जांच में खुलासा हुआ है कि माओवादी नेता प्रशांत बोस की गिरफ्तारी का बदला लेने के लिए नक्सलियों के शीर्ष नेता ने बड़े हमले की साजिश रची थी। लोहरदगा जिला के बुलबुल जंगल से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद होने के मामले की जांच क्रम में एनआईए ने यह खुलासा किया है। एनआईए की जांच से पता चला है कि माओवादी के सशस्त्र कैडरों और सदस्यों ने हिंसक कृत्यों और गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम देने और भारत की सुरक्षा को खतरे में डालने की साजिश रची थी। एनआईए जांच में खुलासा हुआ है कि माओवादी के शीर्ष कमांडरों और सशस्त्र कैडरों ने अगस्त-सितंबर, 2022 के दौरान बूढ़ा पहाड़ में एक आपराधिक साजिश रची थी। और वरिष्ठ माओवादी नेता प्रशांत बोस की गिरफ्तारी का बदला लेने का फैसला किया था। उनका इरादा सुरक्षा बलों और पुलिस के खिलाफ बड़े हमले को अंजाम देने को था। झारखंड के लोहरदगा जिला में माओवादियों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन डबल बुल में पुलिस को जबरदस्त सफलता हासिल हुई थी। झारखंड के लातेहार और लोहरदगा जिले से छापेमारी के दौरान पुलिस को विदेशी हथियार भी मिले थे।

स्वास्थ्य मंत्री के गृह जिला में टाइगर मच्छर का आतंक

डेंजर जोन बना पूर्वी सिंहभूम, जांच को पहुंची हाई लेवल टीम

PHOTON NEWS RANCHI : 20 अगस्त को विश्व मच्छर दिवस मनाया जाता है। वैसे तो देश में 3500 हजार से अधिक मच्छरों की प्रजातियां पाई जाती है लेकिन इसमें से एक मच्छर का आतंक झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में सबसे अधिक देखा जा रहा है। जी हां। दरअसल, इस मच्छर का नाम एडिस है, जिसके शरीर पर टाइगर जैसा काली व सफेद धारियां होती हैं, जिसकी वजह से इसे टाइगर मच्छर भी कहा जाता है। पूर्वी सिंहभूम जिले में इन दिनों टाइगर मच्छर काफी लोकप्रिय हो चुका है। चूंकि, यहां अभी तक राज्य में सबसे अधिक डेंगू के मरीज मिले हैं। डेंगू बीमारी इसी टाइगर मच्छर के काटने से होता है। इस मच्छर को खत्म करने के लिए विभाग हर साल लाखों रुपये खर्च करता है। इसके बावजूद भी इस मच्छर का आतंक कम होने का नाम नहीं ले रहा है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से इस मच्छर को खत्म करने के लिए डीडीटी का छिड़काव किया जाता है लेकिन इसके बावजूद मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बीते सात साल में पूर्वी सिंहभूम जिले में

रांची से जांच करने पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम ● फोटोन न्यूज

डेंगू के एक हजार 238 मरीजों की पुष्टि हुई है। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के विधानसभा क्षेत्र व उनके जिले में अभी तक राज्य में सबसे अधिक डेंगू के मरीज मिले हैं। इससे स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की भी नींद उड़ी हुई है। पूर्वी सिंहभूम जिले में अभी तक 232 डेंगू मरीजों की पुष्टि हो चुकी है जो राज्य में सबसे अधिक है। डेंगू का प्रकोप यहां हर साल देखने को मिलता है। इस कारण से विभाग के जुबान पर भी लोकप्रिय हो चुका है। इसे खत्म करने को हर साल लाखों रुपये का डीडीटी का छिड़काव किया जाता है लेकिन इसके बावजूद मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बीते सात साल में यहां डेंगू के एक हजार 238 मरीजों की पुष्टि हुई है। जिला महामारी रोग विशेषज्ञ डा. असद ने बताया कि एडिस को सबसे आक्रामक मच्छर माना जाता है। ये काफी तेज और एक साथ कई बार डंक मारने के लिए भी जाना जाता है। ये मच्छर किसी इंसान से काफी मात्रा में ब्लड लेकर किसी दूसरे व्यक्ति के शरीर में वायरस पहुंचाता है। आपने देखा होगा कि अधिकांश मच्छर रात के समय काटते हैं लेकिन ये एडिस मच्छर रात होने का इंतजार नहीं करता है। ये मच्छर दिन में ही काटता है। एडिस मच्छर काफी आक्रामक होता है। यह एक साथ कई जगहों पर डंक मारता है।

एडिस मच्छर के काटने से होती हैं ये बीमारियां

- डेंगू
- चिकनगुनिया
- यलो फीवर
- जीका वायरस
- वेस्ट नाइल वायरस

डेंगू के बढ़ते मामले को लेकर रांची से जांच करने आई टीम

पूर्वी सिंहभूम जिले में डेंगू मरीजों की बढ़ती संख्या को लेकर शनिवार को रांची से दो सदस्यीय टीम जांच करने आई है। टीम में सज्ञा सिंह व प्रवीण कुमार शामिल हैं। टीम के सदस्यों ने डेंगू प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर बीमारी फैलने का कारण ढूंढ रही है। टीम मानगो उलीडीह के कालिंदी बस्ती, टैंक रोड सहित अन्य क्षेत्रों का निरीक्षण किया है। तीन घरों में 200 से अधिक डेंगू मच्छर के लार्वा मिले हैं।

राज्य में सरकार दे रही पत्थर, कोयला, बालू व जमीन की लूट की छूट : बाबूलाल

मरांडी की संकल्प यात्रा में उमड़ रही भीड़, निशाने पर हेमंत

PHOTON NEWS GODDA : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की संकल्प यात्रा के दूसरे दिन गोड्डा विधानसभा के अंतर्गत पथरगामा बाजार दुर्गा मंदिर प्रांगण में जनसभा हुई। इसमें बाबूलाल मरांडी ने कहा कि संकल्प यात्रा भोगनाडीह से आरंभ होकर सभी विधान सभा क्षेत्र में जायेगी। मरांडी की इस यात्रा में भारी भीड़ उमड़ रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त को लालकिला से घोषणा की है कि भ्रष्टाचार को समाप्त करना, भ्रष्टाचारियों को जेल भेजना उनका मकसद है। झारखंड को भी वंशवाद, जातिवाद व भ्रष्टाचारमुक्त कराने में सहयोग करें। सरकार की सहयोगी पार्टियां कांग्रेस व राजद भ्रष्टाचार में लिप्त है। दफ्तरों में बिना पैसा के काम नहीं हो रहा है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जब राज्य का मुखिया ही भ्रष्ट हैं, तो बतायें कि झारखंड से भ्रष्टाचार कैसे समाप्त होगा। पत्थर, कोयला, बालू व जमीन की लूट हो रही है। सरकार लुटेरों को समर्थन दे रही है। बालू घाटों का टेंडर नहीं किया जा सका है। गरीबों को घर बनाने में परेशानी है। मगर बालू बंगाल व बिहार भेजा जा रहा है। सरकार आदिवासियों की हितैषी नहीं, बल्कि उनकी ही जमीन को लूटने में लगी है। नाम बदल कर जमीन की लूट में सोरेन परिवार लगा है। मेरे पास जमीन लूट से जुड़े कागजात की पोटली है। मरांडी ने कहा कि सरकार की लाचारी दिख रही है। इसलिए भ्रष्टाचार में लिप्त सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लें।

गोड्डा में संकल्प यात्रा में बाबूलाल को माला पहनाकर सम्मानित करते कार्यकर्ता।

भाजपा सत्ता में आई, तो यहां के युवाओं को मिलेगी नौकरी : सांसद

गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने कहा कि संकल्प यात्रा का मुख्य लक्ष्य हेमंत सोरेन सरकार को हटाना है। 2024 में पिछड़े के बेटे नरेंद्र मोदी को देश का प्रधानमंत्री बनाना है। राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में बाबूलाल मरांडी को सत्ता में लायें। सांसद दुबे ने कहा कि आपसे वादा है कि पथरगामा में मेडिकल कॉलेज, बच्चों के लिए मॉडल स्कूल व अदाणी द्वारा लगाये जा रहे सीमेंट प्लांट में यहां के नोजवानों को नौकरी दी जायेगी। निशिकांत दुबे ने कहा कि हेमंत सोरेन को जेल भेजने व सोरेन परिवार को राजनीति से बेदखल करने का संकल्प लें।

वहीं गोड्डा विधायक अमित मंडल ने संकल्प यात्रा के साथ विधानसभा क्षेत्र में सांसद द्वारा किये गये कार्य को रखा। कहा कि आज गोड्डा विधानसभा के हर गांव में सड़क व पेयजल की व्यवस्था है। ट्रांसफॉर्मर से लेकर सिंचाई की सुविधा भी उपलब्ध करायी गयी है। सभा को विधायक अनंत ओझा, प्रदेश महामंत्री बालमुकुंद सहाय ने भी संबोधित किया।

डुमरी उपचुनाव: 4के कैमरे से होगी निगरानी

DUMRI : झारखंड विधानसभा की डुमरी सीट पर होने वाले उप चुनाव के लिए राजनीतिक दलों के साथ राज्य निर्वाचन आयोग भी अपनी ओर से तैयारी कर ली है। चुनाव में सुरक्षा के खास प्रबंध किये जा रहे हैं। मतदान केंद्रों की निगरानी हाई डेफिनिशन कैमरों की मदद से की जाएगी। चुनाव आयोग ने 373 मतदान केंद्रों में 50 फीसदी से अधिक जगहों पर अत्याधुनिक 4के कैमरा लगाने का निर्णय लिया है। यह हाई रेजोल्यूशन वाला कैमरा होता है जो फुल एचडी डिस्प्ले से चार गुना ज्यादा पिक्सल के होते हैं। स्वभाविक रूप से पिक्चर क्वालिटी के साथ दूर से भी इस कैमरे के माध्यम से केन्द्रों पर चल रहे मतदान को आसानी से देखा जा सकता है। चुनाव आयोग ने इसके लिए रांची स्थित मुख्य निर्वाचन कार्यालय से लेकर जिला स्तर पर कंट्रोल रूम बनाने का निर्णय लिया है।

उत्तराखंड में हुई तबाही में एक हजार करोड़ का हुआ नुकसान

DEHRADHUN : उत्तराखंड में लगातार भूस्खलन और पहाड़ चटकने की घटनाएं लोगों के लिए मुसीबत बनती जा रही हैं। मानसून सीजन से हुई तबाही में अब तक राज्य में लगभग 01 हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। राज्य में 04 बार्डर मार्ग सहित कुल 221 सड़कें बंद हैं, जिन्हें खोलने का कार्य जारी है। मौसम विभाग ने प्रदेश में 24 अगस्त तक के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी है। देहरादून में सुबह से लेकर दोपहर तक सूर्यदेव का लुकाछिपी का खेल जारी है। आसमान में काले बादल छाए हुए हैं। राज्य में इस बार शुरू से ही मानसून सक्रिय रहा। इस कारण सरकार के तरफ से कई बार मौसम को देखते हुए चारधाम यात्रा पर यात्रियों को यात्रा करने से रोकना पड़ा। राज्य में अतिवृष्टि के कारण आपदा की स्थिति से प्रदेश वासियों के जनजीवन पर बुरा असर पड़ा है और जान माल का नुकसान उठाना पड़ा है।

बुमराह बन सकते हैं टीम INDIA के उप कप्तान

AGENCY NEW DELHI : एशिया कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान कल हो सकता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की मेंस सीनियर सिलेक्शन कमेटी की मीटिंग सोमवार को नई दिल्ली में होगी। जो शुरूआती चर्चाएं सामने आई हैं, उनकी मानें तो हार्दिक पंड्या की जगह जसप्रीत बुमराह को टीम का उप कप्तान बनाया जा सकता है। चीफ सिलेक्टर अजित आगरकर के नेतृत्व में होने वाली इस मीटिंग में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा, हेड कोच राहुल द्रविड शामिल होंगे। चयनकर्ता एसएस दास वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए मीटिंग से जुड़ेंगे, क्योंकि अभी वो टीम के साथ आयरलैंड दौरे पर हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बारे में बीसीसीआई के एक सूत्र ने न्यूज एजेंसी से कहा- अगर आप नेतृत्व के मामले में अनुभव को देखेंगे तो बुमराह, हार्दिक पंड्या से आगे हैं। उन्होंने 2022 में टेस्ट टीम की कप्तानी की थी। वह दक्षिण अफ्रीका

के वनडे दौरे के दौरान पंड्या से पहले वनडे टीम के उप कप्तान भी रह चुके हैं। अगर आप एशिया कप और वर्ल्ड कप दोनों के लिए बुमराह को वनडे में उप कप्तान बनते हुए देखें तो कोई हैरानी नहीं होगी। यही कारण है कि उन्हें ऋतुराज गायकवाड की जगह आयरलैंड में कप्तानी सौंपी गई है। एशिया कप के बाद अक्टूबर में वर्ल्ड कप खेला जाएगा। इसलिए एशिया कप की टीम का चयन वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने वर्ल्ड कप के लिए टीम चुनने के लिए 5 सितंबर तक का समय दिया है।

BRIEF NEWS

भाजपा विकास कार्यों का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करती है: भूपेंद्र यादव

GWALIOR: केन्द्रीय मंत्री एवं मध्य प्रदेश के चुनाव प्रभारी भूपेन्द्र यादव ने कहा कि भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीन संकल्प भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण के खिलाफ आगे बढ़ना होगा। हमें जनता को बताना होगा कि कांग्रेस सिर्फ झूठ की गारंटी देती है। जबकि भाजपा की सरकार विकास का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करती है। आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय नेतृत्व और संगठन भारत के निर्माण में लगा है। देश की उन्नति और प्रगति के लिए भाजपा का संगठन जिस तरीके से काम कर रहा है, वह अद्भुत है। केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव रविवार को ग्वालियर में आयोजित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह वृहद कार्यसमिति अपने आप में एक्शन प्लान वाली कार्यसमिति है। यहां पर चिंतन-मंथन के बाद हम विजय संकल्प के साथ जनता के बीच जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री रूपाला मत्स्य प्रदर्शनी में भाग लेने जाएंगे नॉर्वे

NEW DELHI: केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री परषोत्तम रूपाला और राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल 21 से 24 अगस्त तक नॉर्वे का दौरा करेगा। यात्रा का मुख्य उद्देश्य मार्च 2010 में दोनों देशों द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार, मत्स्य पालन और जलीय कृषि के क्षेत्र में भारत और नॉर्वे के बीच द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करना है। प्रतिनिधिमंडल 22 से 24 अगस्त तक नॉर्वे के ट्रॉनहैम में द्विवार्षिक मत्स्य पालन प्रदर्शनी और व्यापार मेले 'एक्वा नोर 2023' में भी भाग लेगा। यह जलीय कृषि प्रौद्योगिकी और नवाचार के लिए दुनिया के सबसे बड़े व्यापार शो में से एक है। प्रतिनिधिमंडल नॉर्वे में मत्स्य पालन और जलीय कृषि से संबंधित कुछ अत्याधुनिक सुविधाओं, जैसे मछली पकड़ने के जहाज, मछली पकड़ने के बंदरगाह, हैचरी, पिंजरे फार्म और समुद्री खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों का भी दौरा करेगा। प्रतिनिधिमंडल नॉर्वेजियन अनुभव से सीखेगा और इन क्षेत्रों में सहयोग और निवेश की संभावनाओं का पता लगाएगा। प्रतिनिधिमंडल नॉर्वे में भारतीय प्रवासियों से भी जुड़ेगा और उन्हें मत्स्य पालन क्षेत्र में भारत सरकार की पहल और उपलब्धियों से अवगत कराएगा और उनके सुझाव व प्रतिक्रिया मांगेगा। इस यात्रा से मत्स्य पालन क्षेत्र में भारत और नॉर्वे के बीच आपसी समझ और द्विपक्षीय सहयोग बढ़ने और भविष्य में साझेदारी के माध्यम से पर्याप्त विकास का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है।

टांगटांग मोड़ से सुदेश महतो आज स्टूडेंट बस सेवा की करेंगे शुरूआत

RANCHI: सिल्ली विधायक सुदेश कुमार महतो सोमवार को गूंज परिवार के तत्वावधान में छात्र-छात्राओं के लिए सोनाहातू प्रखंड के टांग-टांग मोड़ से स्टूडेंट बस सेवा का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम में स्थानीय छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों को आमंत्रित किया गया है। बस अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगी। स्टूडेंट्स के माता-पिता घर से बच्चों की मानिटरिंग कर सकेंगे। यह बस सेवा टांग टांग मोड़ से चलकर बारेंदा, जाड़ेया, जामुदाग, सोनाहातू, बुंडू होते हुए सीधे रांची तक पहुंचेगी। बस में महिला गार्ड होंगी। उन्हें आई-कार्ड भी दिया जायेगा। गूंज परिवार ने स्टूडेंट बस सेवा शुभारंभ के मौके पर सोनाहातू प्रखंड के सभी केंद्रीय समिति, जिला समिति, प्रखंड समिति, पंचायत समिति, ग्राम समिति, चूल्हा प्रमुख, जिला परिषद, मुखिया, पंचायत समिति, ग्राम प्रधान समेत अन्य लोगों से उपस्थित होने की अपील की है।

पूर्व पीएम राजीव गांधी की 79वीं जयंती पर संगोष्ठी प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर BJP पर बरसे

कंप्यूटर और इंटरनेट का प्रसार कांग्रेस की देन : शेषनारायण ओझा

PHOTON NEWS RANCHI: देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पूरे झारखंड में धूमधाम से मनायी गयी। कांग्रेस नेताओं ने जयंती समारोह का आयोजन कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया। आधुनिक भारत के निमार्ता, भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 79वीं जयंती पर झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस के द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वक्ता के रूप में शामिल हुए। जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश ठाकुर मौजूद थे। उन्होंने जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जब पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने आधुनिकीकरण की ओर कदम बढ़ाते हुए देश में कंप्यूटर लाने का दृढ़ निश्चय किया था, तो उस वक्त उन लोगों ने विधवा विलाप किया था जो आज कंप्यूटर और मोबाइल का प्रयोग कर सत्ता भोग रहे हैं।

दूरदर्शी नेता की थी ये सोच

युवा कांग्रेस के झारखंड प्रभारी शेषनारायण ओझा ने कहा कि यह हमारे दूरदर्शी नेताओं की सोच का ही नतीजा है कि आज हम कंप्यूटर और इंटरनेट के सहारे दुनिया को आगे बढ़ते देख रहे हैं।

कांग्रेस की नीतियों का विरोध कर फिर वही अपनाते हैं

युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत राज ने कहा कि देश में आधुनिकीकरण, कंप्यूटर और संचार क्रांति पर पश्चिमी सभ्यता से देश को खतरा बताने वाले लोग आज अपनी पूरी पार्टी इसी कंप्यूटर और इंटरनेट के सहारे चला रहे हैं। ये लोग पहले कांग्रेस की नीतियों का विरोध करते हैं। बाद में उसी को अपनाकर विकास का दंभ भरते हैं। इनकी कथनी और करनी में जमीन-आसमान का अंतर होता है।

जयंती समारोह में ये थे मौजूद

गौ सेवा आयोग अध्यक्ष राजीव रंजन, मार्केटिंग बोर्ड के अध्यक्ष रविंद्र सिंह, खिजरी विधायक राजेश कच्छप, भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव राजेश सिन्हा सनी, रांची ग्रामीण के अध्यक्ष राकेश किरण महतो, महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष गुंजन सिंह, प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता सतीश कौल, प्रोफेसर विश्वनाथ मुंडा, डॉ एलिस, अमरनाथ मुंडा, रांची महानगर के प्रभारी संजीव रंजन, फहद खान, रांची ग्रामीण के प्रभारी देव शर्मा, परमिंदर मिश्रा, रिशु कुजूर, जमील अख्तर, विक्की ठाकुर, अवलीन सुरेंद्र समेत बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस प्रदेश एवं जिलास्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

राजीव गांधी की जयंती पर युवा कांग्रेस ने किया रक्तदान

इधर, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 79वीं जयंती पर गुमला जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष आजाद अंसारी के नेतृत्व में युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों ने सदर अस्पताल, गुमला में रक्तदान शिविर का आयोजन कर 15 यूनिट रक्तदान किया। मौके पर जिला अध्यक्ष आजाद अंसारी ने कहा कि राजीव गांधी ने संचार क्रांति के माध्यम से मोबाइल और कंप्यूटर का श्रेय उन्हीं को जाता है। रक्तदान करने वालो में जिला उपाध्यक्ष शादाब आलम, नीके उरांव, फिरोज खान, संदीप उरांव तौकीर अंसारी, कैफ आलम, वाहिद अख्तर, छोटू नायक, वारिश खान, सुभाष उरांव, मनीष तिर्की, रीकेश सिंह, गुलजार अंसारी, फिरोज अंसारी, बीरेंदर नायक ने रक्तदान किया। मौके पर जिला जिला सह प्रभारी संदीप कुमार, जिला उपाध्यक्ष पल्लव कुजूर, अंजलिनता बाड़ा, महासचिव मंगल खड़िया, फ़्लोरा केरकेट्टा, सिसई उप प्रमुख नीलेश उरांव, कैश अंसारी, राजीव महतो सहित कई युवा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

युवा कांग्रेस ने मनायी पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती

पलामू जिले के मेदिनीनगर में युवा कांग्रेसियों ने रविवार को देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी जयंती मनायी। इस अवसर पर चैनपुर प्रखंड के पिंडरा गांव में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। युवा कांग्रेस के कार्यकताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की और देश के विकास में उनके योगदान के बारे में ग्रामीणों को बताया। युवा कांग्रेस के पलामू जिलाध्यक्ष परवेज अली उर्फ मुन्ना खान ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्रांति लायी। देश के विकास में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। युवा कांग्रेसियों ने बच्चों के बीच पाठ्य सामग्रियों का वितरण किया। इस मौके पर अजय कुमार, तौसिफ कमर, नीतीश पासवान, नावेद खान, सोनू खान,अभिषेक कुमार, करण कुमार, प्रीतम गुप्ता, महेंद्र अग्रवाल सहित कई कार्यकर्ता शामिल थे।

झारखंड कांग्रेस ने मनाई राजीव गांधी की जयंती, श्रद्धासुमन अर्पित किए

RANCHI: पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 79वीं जयंती रविवार को प्रदेश कार्यालय में मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने राजीव गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इससे पूर्व चेशायर होम, बरियातु में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने रांची जिले के पार्टी पदाधिकारियों के साथ दिव्यांगजनों से मुलाकात की एवं उनके बीच प्रेम एवं भाईचारा का संदेश देते हुए आवश्यक सामग्री प्रदान की। राजेश ठाकुर ने कहा कि राजीव गांधी आधुनिक भारत के निर्माण के साथ संचार क्रांति के जनक थे। गांधी ने एक ओर भारत को संचार क्रांति के माध्यम से आधुनिक बनाने का पहल किया, वहीं भारत की आत्मा गांवों को पंचायती राज देकर मजबूत बनाने का काम किया। उन्होंने कहा कि पंचायती राज के माध्यम से ग्रामीण भारत सशक्त हुआ। गांधी ने देश के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए मतदान का अधिकार 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष करने का काम किया। राजीव गांधी ने पंजाब के समस्याओं का समाधान, दलबदल कानून पर नियंत्रण, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसे देश कभी भुला नहीं सकता है। गांधी का हर प्रयास भारत को दुनिया के सामने मजबूत बनाने का रहा है। कांग्रेस विधायक दल के नेता सह मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि राजीव गांधी ही थे, जिन्होंने भारत में दूरसंचार क्रांति लाई। आज जिस डिजिटल इंडिया की चर्चा है, उसकी संकल्पना राजीव गांधी अपने जमाने में कर चुके थे। राजीव गांधी की एक बड़ी उपलब्धि नवोदय विद्यालय की स्थापना भी है। मौजूदा समय देश में खुले 551 नवोदय विद्यालयों में लगभग 1.80 लाख से अधिक छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। कार्यक्रम को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय सहित अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में अमानत अली, केशव महतो कमलेश, रवीन्द्र सिंह, राजीव रंजन प्रसाद, राकेश सिन्हा अमूल्य नीरज खलखो, डॉ एम तौसीफ सहित अन्य नेता शामिल थे।

सुरेश बैठा के आवासीय कार्यालय में मनायी गयी राजीव गांधी की 79वीं जयंती

PHOTON NEWS RANCHI: कांके प्रखंड कांग्रेस कमिटी के बैनर तले कांके स्थित सुरेश बैठा के आवासीय कार्यालय में स्वर्गीय राजीव गांधी की 79वीं जयंती दिवस मनाया गया। मौके पर कांग्रेस नेता और कार्यकताओं ने स्वर्गीय राजीव गांधी के तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान कांग्रेस प्रदेस महासचिव सुरेश बैठा ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी आधुनिक भारत के जनक थे कंप्यूटर क्रांति की तरह दूरसंचार क्रांति का श्रेय भी उन्हीं को जाता है। संपूर्ण भारत में राजीव गांधी ने पंचायती राज कानून लागू करने का कार्य किया। उन्होंने पिछड़ों, दलित व महिलाओं को आरक्षण लागू करने, ग्राम में प्रधान, ब्लॉक अध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष, नगर निकाय पालिका में चुन के आने का अधिकार दिया। युवाओं को 18 वर्ष में मतदान देने का काम भी उन्होंने किया था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कांके प्रखंड अध्यक्ष संजय खान, महिला अध्यक्ष संजू देवी, रीता चौधरी, अशोक महतो, विनोद साहू, शालिग्राम महतो, आलम, अफजाल अंसारी, मनीष महतो,लाला महली, सुनील सिंह, रतीलाल महली, मेराज, मंटू सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

राजीव गांधी की 79वीं जयंती मनाती कांग्रेस कमिटी के सदस्य • फोटोन न्यूज

छह जिलों के भाजपा कार्यकर्ताओं ने मरांडी की संकल्प यात्रा की सफलता को लेकर किया मंथन

पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारी बूथों से जीवंत संबंध स्थापित करें : कर्मवीर सिंह

PHOTON NEWS KHUNTI: जिला भाजपा कार्यालय खूंटी में संकल्प यात्रा की तैयारी को लेकर छह जिलों लातेहार, सिमडेगा, लोहरदगा, गुमला, खूंटी और पश्चिम सिंहभूम के कार्यकताओं की सामूहिक बैठक रविवार को की गई। बैठक में सभी छह जिलों के अध्यक्ष, महामंत्री और सातों मोर्चा के अध्यक्ष उपस्थित थे। बैठक के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि बूथ ही हमारी गतिविधियों का सक्रिय केंद्र बने। पार्टी कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि बूथ से जीवंत संबंध स्थापित करें। हमें सिर्फ अपने बूथ को मजबूत बनाना है। इसके लिए हमने देश भर में बूथ सशक्तीकरण अभियान चलाया। अभी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी संगठन को मजबूत करने के लिए और हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए संकल्प यात्रा कर रहे हैं। पूरे प्रदेश में हर विधानसभा में सभा करनी है। उन्होंने कहा कि संकल्प यात्रा को सफल बनाने के लिए व्यापक तैयार करें। प्रदेश महामंत्री सह प्रदेश कार्यक्रम प्रभारी डॉ प्रदीप वर्मा ने तोरपा विधानसभा में 21 सितम्बर और खूंटी विधानसभा में 22 सितम्बर को होने वाली संकल्प यात्रा को सफल बनाने के संबंध में आवश्यक सुझाव दिये। 17 अगस्त से 24 सितम्बर तक छह जिलों में चलने वाली संकल्प यात्रा के संयोजक विनय लाल ने कहा कि तेरा मेरा छोड़कर हमारा कार्य समझकर संकल्प यात्रा को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करें।

बाबूला मरांडी की संकल्प यात्रा को लेकर मंथन करते भाजपा के सदस्य • फोटोन न्यूज

झारखंड में निर्यात नीति लागू, रांची में बनेगा वर्ल्ड ट्रेड सेंटर

PHOTON NEWS RANCHI: झारखंड में निर्यात नीति लागू हो गयी है। राज्य सरकार ने नीति का गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। राज्य में निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी गठित की जायेगी। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में स्टेट एक्सपोर्ट प्रमोशन कमेटी गठित की जायेगी। जिसमें 12 प्रमुख विभागों के सचिव समेत सेंट्रल एक्साइज एंड सर्विस टैक्स के चीफ कमिश्नर, सीसीएल, बीसीसीएल व इसीएल के सीएमडी, डीजीएफटी पटना, फियो कोलकाता के डीजी, एसएलबीसी के प्रतिनिधि, रेलवे के प्रमुख, ड्राइ पोर्ट व एयर कार्गो के प्रमुख सदस्य होंगे। इसके अलावा जिलों के डीसी की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट लेवल एक्सपोर्ट प्रमोशन कमेटी भी बनेगी। ये कमेटी राज्य में निर्यात करने वाले उद्योगों को बढ़ावा देगी। इसके अलावा एक राज्य वित्त सचिव, परिवहन सचिव को लेकर एक बोर्ड भी बनेगा। जो नीति में आ रही अड़चनों को दूर करने के लिए सुझाव देगा।

आधारभूत संरचना का होगा विस्तार

नीति में कहा गया है कि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए आधारभूत संरचनाओं का विस्तार किया जायेगा। जिसमें क्वालिटी बिजली व हाइ स्पीड इंटरनेट भी शामिल है। इनलैंड कंटेनर डिपो व कंटेनर फ्रेट स्टेशन भी बनाये जायेंगे। वहीं जेएसएमडीसी द्वारा निर्यातक उद्योगों को ईंधन व रॉ मटेरियल उपलब्ध करायेगा। साथ ही टेस्टिंग व रिसर्च लैब की स्थापना की जायेगी, जहां अंतरराष्ट्रीय मानकों की जांच की जायेगी। नीति में कहा गया है कि रांची में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर का निर्माण होगा। वहीं सभी जिलों में एक्सपोर्ट पार्क का निर्माण भी किया जायेगा।

मिलेगी कई छूट

नीति में यह प्रावधान किया गया है कि निर्यात करनेवाले उद्योगों को ऋण राशि में पांच प्रतिशत सूद की दर में पांच वर्षों तक छूट दी जायेगी। एक्सपोर्ट ओरिएंटेड यूनिट को इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी से शत-प्रतिशत छूट दी जायेगी। भूमि आवंटन में भी प्राथमिकता दी जायेगी। वहीं उत्पाद को पोर्ट तक जाने के लिए ट्रांसपोर्ट सब्सिडी दी जायेगी।

विदेश में उत्पाद बेचने में सहयोग

नयी नीति के अनुसार लघु व मध्यम श्रेणी के उद्योगों को जो निर्यात भी करना चाहते हैं, उसे राज्य सरकार सहायता प्रदान करेगी। इसमें विदेशों में आयोजित ट्रेड फेयर, प्रदर्शनी, मार्केट सर्वे रिपोर्ट, विदेशी मीडिया में प्रचार-प्रसार के लिए सहायता की जायेगी। राज्य सरकार एमएसएमइ को भी अंतरराष्ट्रीय ट्रेड फेयर, बायर-सेलर मीट और नये मार्केट की खोज में भी सहायता करेगी। प्रस्ताव के अनुसार रांची एयरपोर्ट में एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स के माध्यम से फूल, फल व सब्जी के निर्यात में सहयोग किया जायेगा। निर्यातकों को एक्सपोर्टर कार्ड दिया जायेगा। जिनके पास एक्सपोर्टर कार्ड होगा, उनका तेजी से क्लीयरेंस होगा। राज्य सरकार एक्सपोर्ट अवार्ड की भी घोषणा करेगी।

संसद में चर्चा के बजाय महत्वपूर्ण बिलों में व्यवधान उत्पन्न करता रहा विपक्ष : अजय मिश्र टेनी

PHOTON NEWS LAKHIMPUR: केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री व स्थानीय सांसद अजय मिश्र टेनी ने विपक्ष पर संसद को नहीं चलने देने का आरोप लगाया है। रविवार को यहां जिला पंचायत सभागार में पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि हमने सोंचा था और विपक्ष से हमें उम्मीद थी कि सकारात्मक बिलों में निश्चित रूप से अपनी भागीदारी करेंगे, परन्तु दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति रही कि जैसे-जैसे संसद का सत्र बढ़ा विपक्ष लगातार व्यवधान पैदा करने में लगा रहा। केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि इस मानसून सत्र में राज्यसभा एवं लोकसभा में सांसदों ने 370 समेत जो भी मुद्दे उठाए, ऐसे बहुत से प्रश्नों का उत्तर दिया गया है। उम्मीद थी कि विपक्ष इस बार सकारात्मक चर्चा में शामिल होगा। दुर्भाग्यपूर्ण रहा कि विपक्ष ने केवल अड़चने पैदा कीं। सत्र के दौरान बाधाएं पैदा करने की तथा देश की जनता को गुमराह करने के विपक्षी गठबंधन के विफल प्रयासों के बाद भी मोदी सरकार ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत को अमृत काल में ले जाने की दिशा में अपने कदमों को मजबूती से आगे बढ़ाया है।

झारखंड ओबीसी आरक्षण मंच के तत्वावधान में राज्य स्तरीय वार्षिक सम्मेलन का हुआ आयोजन, संविधान दिवस पर होगी महारैली

ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत रिजर्वेशन की मांग, 12 सूत्री प्रस्ताव किया पारित

PHOTON NEWS RANCHI: झारखंड ओबीसी आरक्षण मंच के तत्वावधान में राज्य स्तरीय वार्षिक सम्मेलन का आयोजन रविवार को पुराने विधानसभा परिसर में आयोजित किया गया। इसे लेकर मंच के द्वारा 12 सूत्री प्रस्ताव पारित किया गया। जिसमें मुख्य प्रस्ताव आरक्षण अधिकार को लेकर संविधान दिवस पर महा रैली के आयोजन की घोषणा की गई। मंच के केंद्रीय अध्यक्ष कैलाश यादव ने बताया कि ओबीसी सहित एससी-एसटी और माइनॉरिटी का राजनीतिक तौर पर हो रहे शोषण और सामाजिक रूप से बरगलाने का जो प्रयास बीजेपी के द्वारा किया जा रहा है, इससे स्पष्ट है कि 2024 के चुनाव में इन वर्गों के मौलिक अधिकारों के हनन का प्रयास की तैयारी है। झारखंड में बीजेपी की सरकार आते ही ओबीसी को मिलने वाली 27 प्रतिशत आरक्षण को घटा दिया गया था। इसके बाद हेमंत सरकार ने इसे 27 प्रतिशत करने की बात कही, लेकिन सरकार बनते ही केंद्र सरकार को अनुशंसा भेज दिया जो उचित नहीं है। हेमंत सरकार इसे कैबिनेट में पास करा कर पारित कर सकती है। बरही के विधायक उमाशंकर अकेला ने कहा कि ओबीसी के पूरे भारत में 40% वोटर हैं, और इनकी आबादी 52% है। ऐसे में राजनीतिक हनन की तैयारी बीजेपी की ओर से की जा रही है। उन्होंने कहा कि मंडल कमीशन को दबाया गया है, और देश भर में राम का नाम रटाया जा रहा है। बता दें कि हमारे पूर्व नेता राम मनोहर लोहिया ने ओबीसी को एक पहचान दिलायी थी।

मंच के केंद्रीय अध्यक्ष कैलाश यादव व अन्य • फोटोन न्यूज

पूर्व विधायक गौतम सागर राणा ने वार्षिक सम्मेलन पर कहा कि ओबीसी का इतिहास युगों से चला रहा है, और बीजेपी का जन्म तो अभी हुआ है। बीजेपी चाहे जितना प्रयास कर ले ओबीसी को तोड़ नहीं सकती। झारखंड सरकार भी ओबीसी और एससी के साथ गलत कर रही है। इनके आरक्षण घटाए जाने से आज वे लोग नौकरी से वंचित हो चुके हैं। और पलायन को मजबूर हैं। इसके अलावा ना तो आज तक जातिगत जनगणना का प्रस्ताव लाया गया और ना ही इनके लिए कोई सुविधा दी जा रही है।

पारित हुए प्रस्ताव

26 नवंबर 2023 संविधान दिवस पर आरक्षण अधिकार महारैली का आयोजन 100000 लोग शामिल होंगे। पंचायत एवं नगर निकाय चुनाव में अनुसूचित जाति के तर्ज पर ओबीसी एवं अनुसूचित जाति को अध्यक्ष उपाध्यक्ष पद पर आरक्षित करने को लेकर नियमावली बनाया जाये। सरकारी चिकित्सकों को निजी प्रैक्टिस करने में छूट देने का निर्णय वापस लिया जाये। संबंधित ओबीसी आरक्षण मंच का एक विशिष्ट प्रतिनिधिमंडल झारखंड के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री से मुलाकात कर प्रतिवेदन दिया जाये।

सरकार से करेंगे मांग

ओबीसी को 14 से 27 एवं एक को 10 से 14 फीसदी आरक्षण सीमा बढ़ाने के लिए सरकार केंद्र को नोवी सूची में भेजने का बजे स्वयं राज्य सरकार अधिसूचना जारी करें।

BRIEF NEWS

भोला पांडेय गिरोह का सक्रिय सदस्य गिरफ्तार

RANCHI : आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने भोला पांडेय गिरोह के सक्रिय सदस्य नरुद्दीन उर्फ नरुद्दीन हसन उर्फ चरका को गिरफ्तार किया है। इसके पास नाइन एमएम का पिस्टल एक, एक मैग्जीन नाइन एमएम का पांच जिंदा कारतूस और दो मोबाइल फोन बरामद किया गया है। झारखंड पुलिस प्रवक्ता एवी होमकर ने रविवार को बताया कि संगठित अपराधिक गिरोहों के फंडिग और अपराध से अर्जित किये हुए संपत्ति का पता लगाने तथा इन गिरोहों के खिलाफ ठोस कर्रवाई करने का पुलिस मुख्यालय की ओर से निर्देश दिया गया है। इसी क्रम में रामगढ पुलिस के सहयोग से एटीएस की टीम ने पांडेय गिरोह के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया। लगातार एटीएम अपराधिक गिरोह के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

सरकारी शिक्षक नौ सितंबर तक स्थानांतरण के लिए कर सकेंगे आवेदन

RANCHI : राज्य के सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षक अब वे नौ सितंबर तक स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इस मामले को लेकर अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ का शिष्टमंडल प्राथमिक शिक्षा निदेशक नेहा अरोड़ा से मिला था। संघ के प्रतिनिधिमंडल प्राथमिक शिक्षा निदेशक से सरप्लस शिक्षकों के स्थानांतारण की विसंगति, उसमें सुधार और विकल्प चुनने की समय सीमा विस्तारित करने और प्रोन्नति के लिए जल्द ही डेट शीट जारी करने की मांग रखी थी। सरप्लस शिक्षकों की सूची में सुधार, डाटा सुधार, मानव संपदा में सुधार आदि में लगने वाले समय को देखते हुए संबंधित शिक्षकों को विकल्प चुनने की समय सीमा 18 अगस्त से विस्तारित करने की मांग की थी।निदेशक ने इसे बढ़ाने का आश्वासन दिया था। संघ की मांग पर शिक्षक स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन आवेदन भरने की तिथि को बढ़ाकर नौ सितंबर कर दिया गया।

डीसी ने दी 7 अपराधियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति

RANCHI : डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने सात अपराधियों के खिलाफ रविवार को मुकदमा चलाने की अनुमति दी है। डीसी ने जिन अपराधियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दी है, उसमें सुखदेवनगर थाना की पुलिस के द्वारा 28 जून को गिरफ्तार किए गए विनय तिग्गा, आकाश कुमार सिंह और अजय नायक है। इसके अलावा पिठौरिया थाना की पुलिस द्वारा 27 जून को गिरफ्तार किए गए सूरज कुमार राम, कृष्णा कुमार तांती, गुंजन कुमार और सुमित कुमार सिंह शामिल हैं। यहां बता दें कि गिरफ्तार हुए इन सभी सातों अपराधियों के खिलाफ जांच के दौरान घटना सत्य पाया गया। जिसके बाद डीसी ने सभी के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी।

झारखंड में 26 अगस्त तक रूक-रूक कर होगी बारिश

RANCHI : झारखंड के कई जिलों में 26 अगस्त तक हर दिन रूक-रूककर बारिश होगी। इस दौरान अधिकतम तापमान में एक से दो डिग्री तक गिरावट दर्ज की जा सकती है। रांची मौसम केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार,21 से 23 अगस्त तक पलामू , गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा के कुछ इलाकों में तेज बारिश हो सकती है। वहीं राज्य के ज्यादातर जिलों में मॉनसून की स्थिति कमजोर नजर आ रही है। बात करें पिछले 24 घंटे की तो कई स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश रिकॉर्ड की गई।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

कमल भूषण हत्याकांड का मास्टरमाइंड छोटू को पुलिस ने लोहरदगा से दबोचा

रातू रोड के गैलेक्सिया मॉल के समीप अपराधियों ने मारी थी ताबड़तोड़ चार गोलियां

CRIME REPORTER RANCHI : राजधानी रांची के बड़े रियल एस्टेट व जमीन कारोबारी कमल भूषण हत्याकांड का मास्टरमाइंड छोटू कुजूर को रांची पुलिस ने गुमला के भरनो थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। पुलिस को छोटू कुजूर की काफी दिनों से तलाश थी। बता दें कि गत 30 मई, 2022 को अपराधियों ने जमीन कारोबारी कमल भूषण की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना के कुछ दिन बाद छोटू कुजूर ने इस हत्या की जिम्मेवारी ली थी। बताया गया कि छोटू कुजूर की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस लगातार छापामारी कर रही थी। बराबर फरार होने के कारण पुलिस ने उसके घर की कुर्की जब्ती शुरू की थी। इसी बीच छोटू कुजूर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि राजधानी रांची के मधुकम निवासी 54 वर्षीय जमीन कारोबारी कमल भूषण की अपराधियों ने गत 30 मई, 2022 को गोली मारकर हत्या कर दी थी। अपराधियों ने अतिव्यस्त रातू रोड मुख्य मार्ग पर गैलेक्सिया मॉल के समीप एक फास्ट फूड सेंटर के पास खड़ी

अपराधी छोटू कुजूर।

कार में बैठे कमल भूषण की हत्या कर दी थी। बताया गया था कि कार की पिछली सीट पर बैठे कमल भूषण पर दोनों ओर से दो अपराधियों ने लगातार फायरिंग की थी। बताया गया कि हादसे के वक्त कार का ड्राइवर बबलू और उसके पास कर्मी विनोद बैठा था। इसी बीच कार के पास आये दो युवकों ने कमल भूषण पर ताबड़तोड फायरिंग शुरू कर दी थी। दो गोली कमल के दाहिने हाथ में लगी थी। वहीं, एक गोली उनके पंजरे और एक गोली सिर में लगी थी। इसके बाद दोनों आरोपी देवी मंडल रोड की ओर भागे। उनके दो अन्य साथी जो पहले से देवी मंडल गली में

कमल भूषण और अकाउंटेंट हत्या मामले के दो आरोपी को चाईबासा और साहिबगंज जेल किया गया शिफ्ट

CRIME REPORTER RANCHI : जमीन कारोबारी कमल भूषण और उसके अकाउंटेंट की हत्या के आरोपी राहुल और डब्लू कुजुर को रांची जेल से दूसरी जेल में शिफ्ट किया गया है। राहुल कुजुर को चाईबासा और डब्लू को साहिबगंज जेल भेजा गया है। राहुल और डब्लू कुजूर रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में रहकर भी एक्टिव था, और वहीं से उसने कमल भूषण के अकाउंटेंट संजय सिंह की हत्या की साजिश रची थी। इस मामला के सामने आने के बाद रांची पुलिस के अनुरोध पर राहुल कुजूर को चाईबासा जेल और डब्लू कुजूर को साहिबगंज जेल शिफ्ट कर दिया गया है। गौरतलब है कि पिछले 30 मई 2022 को रांची के पिस्का मोड़ के पास कमल भूषण की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उसके बाद इस महीने पांच जून को उनके अकाउंटेंट संजय सिंह की भी हत्या कर दी गई। दोनों हत्याकांड को छोटू कुजूर के पूरे परिवार ने मिलकर अंजाम दिलवाया है।

छोटू कुजूर ने हत्या की ली थी जिम्मेवारी

जमीन कारोबारी कमल भूषण की हत्या की जिम्मेवारी छोटू कुजूर ने ली थी। छोटू कुजूर डब्लू कुजूर का भाई है। डब्लू के बेटे राहुल कुजूर से कमल भूषण की बेटी यामिनी ने लव मैरिज की थी। छोटू कुजूर का कहना था कि कमल भूषण ने पुलिस के साथ मिलकर उसके परिवार को परेशान किया था। उसने कमल भूषण के पार्टनर जगदीश को भी सबक सिखाने की बातें कही थी। कमल के पुत्र पवन ने पुलिस को बताया था कि राहुल कुजूर ने उसकी बहन यामिनी कुमारी का अपहरण किया था और परिवार के खिलाफ जाकर विवाह किया था। इसके बाद से ही परिवार के सदस्यों ने यामिनी से रिश्ता नाता तोड़ कर उसे संपत्ति से बेदखल कर दिया था। इसके बाद राहुल कुजूर के पिता डब्लू कुजूर और चाचा छोटू कुजूर ने परिवार के सदस्यों को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी थी।

कमल भूषण के एकाउंटेंट की भी गोली मारकर हुई थी हत्या

कमल भूषण हत्याकांड के करीब एक साल बाद अपराधियों ने उनके एकाउंटेंट संजय कुमार सिंह की भी गोली मारकर हत्या कर दी थी। कमल भूषण की हत्या के बाद उनकी जमीन व कारोबारी का हिसाब संजय रखते थे। अपराधियों ने ताबड़तोड़ पांच राउंड फायरिंग की थी। इसमें तीन गोली संजय कुमार सिंह को लगी। वहीं, एक गोली उनके सिर में और दूसरी गोली जबड़ा तथा तीसरी गोली छाती में लगी थी।

रांची की सड़कों पर अतिक्रमण से जाम लोग परेशान

RANCHI : राजधानी के अल्बर्ट एक्का चौक से लेकर कोकर चौक तक रोज सड़क किनारे सब्जी दुकानदारों, ठेला व ऑटो वालों के कारण लोगों को जाम के झाम का सामना करना पड़ रहा है। लालपुर चौक और अल्बर्ट एक्का चौक पर सड़क किनारे ऑटो एंव ई-रिक्शा वालों का कब्जा रहता है। जिससे टू-व्हीलर और फोर व्हीलर गाड़ी वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। लोग चौक पार करने के लिए घंटों जाम में फसे रहते हैं। सेंटेविटा हॉस्पिटल के पास रोड काफी संकरा है। हॉस्पिटल से फिरायालाल चौक तक सड़क के दोनों ओर ऑटो, ई-रिक्शा व ठेले वालों का का कब्जा रहता है। जैसे यहां स्थाई ऑटो स्टैंड बना लिया गया हो। जिसके कारण यहां हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है। शिकायत करने पर चौक पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मी वहां से ऑटो को भगा देते हैं। लेकिन, कुछ देर बाद फिर से ऑटो लगना शुरू हो जाता है। ई-रिक्शा वाले तो अब चडरी जाने वाले रास्ते पर वाहन लगाने लगे हैं। इसका विरोध करने पर चालक लोगों से उलझने लगते हैं।

तीन थाना क्षेत्रों में उत्पाद विभाग की छापेमारी, भारी मात्रा में शराब बरामद

टाटीसिलवे से एक व कांके थाना क्षेत्र से दो आरोपी भी गिरफ्तार

आरोपी व बरामद शराब के साथ उत्पाद विभाग की टीम ● फोटोन न्यूज

CRIME REPORTER RANCHI : उत्पाद विभाग की टीम ने अवैध शराब के धंधेबाजों के टाटीसिलवे, कांके और जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र में स्थित अड्डों पर छापेमारी की। इस क्रम में उत्पाद विभाग ने अवैध शराब के धंधे में शामिल छह लोगों को गिरफ्तार किया। टीम ने अवैध चुलाई शराब 600 लीटर,जावा महुआ 12000 किलो, विदेशी शराब 243 लीटर, भारी मात्रा में कोर्ट ढक्कन और विदेशी शराब का खाली बोतले बरामद की। उत्पाद विभाग की टीम ने टाटीसिलवे थाना क्षेत्र के होरहाप में छापामारी की। यहां एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। होरहाप में चार अभियुक्तों के विरुद्ध फरार अभियोग दर्ज किया गया है। इस क्रम में कांके थाना क्षेत्र के आइटीबीपी रिंग रोड में छापामारी की गयी। छापामारी के क्रम में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। उनके बयान के आधार पर आइटीबीपी रिंग रोड स्थित साहू होटल में छापा मारा गया।

जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र स्थित प्रेमनगर सिंह मोड़ में छापेमारी

यहां एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। इस अभियुक्त के बयान पर जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के रोड नंबर 2 बॉस्को नगर में छापामारी की गया। यहां भी अभियुक्त को पकड़ा गया। इसके अलावा जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र स्थित प्रेमनगर सिंह मोड़ में भी छापामारी की गयी और यहां से भी एक को गिरफ्तार किया गया।

इमा कराटे ग्रेडिंग में सफल खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

RANCHI : इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी इमा के तत्वावधान में इमा मुख्य प्रशिक्षण केंद्र संत जोसेफ क्लब, रांची में रविवार को बेल्ट सेरेमनी का आयोजन किया गया। इसमें पिछले दिनों ग्रेडिंग में सफल रहे कराटे खिलाड़ियों को इमा के तकनीकी निदेशक शिहान सुनील किस्पोट्टा ने बेल्ट एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया। ग्रेडिंग में सुनिधि एंजेल एक्का ने सबसे अधिक अंक लाकर सर्वश्रेष्ठ कराटे खिलाड़ी का खिताब अपने नाम किया। इस मौके पर शिहान सुनील किस्पोट्टा ने कहा कि खिलाड़ी को ब्लैक बेल्ट पाने के लिए 3 साल का समय लगता है। इससे पहले खिलाड़ी को अपने सभी ग्रेडिंग में सफल होना आवश्यक है तभी वह अपने इस लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। इस दौरान इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी के अध्यक्ष सेंसाइ अनिल किस्पोट्टा, राकेश तिर्की, अभिभावकों के अलावा कई खेल प्रेमी भी उपस्थित थे।

BANK PO ने किया SUICIDE पुलिस पर परेशान करने का आरोप

सीबीआई की क्लीनचिट के बाद भी रामगढ़ पुलिस कर रही थी प्रताड़ित

CRIME REPORTER RANCHI : राजधानी रांची के चुटिया थाना क्षेत्र के अनंतपुर में रहने वाले बैंक ऑफ इंडिया के पीओ ने आत्महत्या कर ली। मृतक का नाम सुप्रियो मजूमदार है। सुप्रियो मजूमदार ने 2015 में बैंक ऑफ इंडिया में पीओ के पद पर ज्वाइन किया था। सुसाइड करने के पहले सुप्रियो मजूमदार ने पांच पेज का सुसाइड नोट लिखा है, और अपराधिक षड्यंत्र के बारे में बताया है। फिलहाल इस घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

सुसाइड नोट में क्या लिखा है

पांच पन्नों के अपने सुसाइड नोट में सुप्रियो ने बताया कि कैसे पांच

सुप्रियो मजूमदार की फाइल फोटो।

साल पहले रामगढ़ में टैंकर लोन देने में बैंक के कुछ अधिकारियों धोखाधड़ी की। फ्रॉड लोन की जांच सीबीआई ने शुरू की और सुप्रियो से भी पूछताछ हुई, पर सारे साक्ष्य देखने के बाद सीबीआई ने सुप्रियो को क्लीन चिट दे दी और वो गवाह बन गए। लेकिन इसके बाद बैंक के बाकी अधिकारी जो उस वक्त ब्रांच मैनेजर और क्रेडिट हेड थे, उनके खिलाफ जांच जारी रही। इस बीच एक ग्राहक ने रामगढ़ पुलिस के पास लोन न देने का केस दर्ज करवाया। ऐसे ही मामले की सीबीआई जांच चलते रहने पर भी रामगढ़ पुलिस सुप्रियो को जांच के नाम पर तंग करने लगी। महीनों तक पुलिस के हरासमेंट के बाद सुप्रियो ने इस बेवजह की परेशानी और प्रताड़ना से तंग आकर जान देना ज्यादा मुनासिब समझा। सुप्रियो की कुछ साल पहले ही शादी हुई थी। परिवार में पत्नी के अलावा बैंक ऑफ इंडिया से ही रिटायर्ड पिता और बहन हैं।

पहाड़ी मंदिर में बाल कांवरियों ने बाबा भोलेनाथ पर किया जल अर्पण

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में आज रविवार को श्री शिव बारात आयोजन महासमिति के बैनर तले बाल कावड़ यात्रा निकाली गयी। इस यात्रा में 150 से भी अधिक 5 से 12 वर्षीय बच्चों ने भाग लिया। यात्रा की शुरूआत नक्षत्र वन से हुई, जहां बाल कांवरियों को कांवड़ में जल देकर संकल्प करा कर रवाना किया गया। यात्रा रातू रोड होते हुए पहाड़ी मंदिर पहुंची। वहां बाल कांवरियों ने बाबा भोलेनाथ पर जल अर्पण किया। यात्रा में शिव पार्वती की झांकी भी निकाली गयी। आयोजन समिति के

अध्यक्ष राजेश साहू ने बताया कि यह आयोजन दूसरी बार किया गया है। कहा कि बच्चों में शुरूआत से ही सनातन धर्म के बारे में बताना चाहिए। इसी उद्देश्य के साथ यह यात्रा निकाली गयी। भविष्य में और भव्य रूप से इस यात्रा का आयोजन होगा।

न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग से होगी नवजातों के गूंगेपन जांच, योजना पर 11 करोड़ होंगे खर्च

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के सरकारी अस्पताल (सदर अस्पताल, चिकित्सा महाविद्यालय) में जन्म लेने वाले नवजात शिशु की मूक-बधिर जांच कराई जाएगी। इस योजना के संचालन के लिए ऑडियोलॉजिस्ट की सेवा आउटसोर्सिंग के माध्यम से प्राप्त किया जाएगा। न्यूबॉर्न हियरिंग स्क्रीनिंग योजना के लिए स्वास्थ्य विभाग के द्वारा 11 करोड़ 1 लाख 80 हजार रुपए की स्वीकृति दी गई है। बता दें कि राज्य में प्रतिवर्ष 8 लाख बच्चे जन्म लेते हैं। इनमें करीब 6 लाख बच्चों का जन्म सरकारी अस्पताल

में होता है। राज्य के अधिकांश हिस्सों में जनजातीय आबादी है। जिनकी आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है। ऐसे में स्वास्थ विभाग के द्वारा मूक-बधिर स्क्रीनिंग की तैयारी है। राज्य में कराए गए झारखंड विद्यालय स्वास्थ्य अभियान के क्रम में यह सामने आया है कि विभिन्न विद्यालयों के लगभग 18000 बच्चे बहरेपन और अनुषंगी समस्याओं से पीड़ित है। यह भी तथ्य प्रकाश में आया है कि नवजात शिशु की मूक-बधिर जांच की व्यवस्था नहीं होने के कारण बच्चों का मानसिक और भौतिक विकास प्रभावित हुआ है। उपकरण की आपूर्तिकर्ता द्वारा मशीनों के अधिष्ठापन के बाद संस्थान के ईएनटी विभाग के कर्मचारी और ऑडियोलॉजिस्ट को प्रशिक्षण दिया जाएगा। योजना का कार्यान्वयन प्रत्येक जिले के सिविल सर्जन और संबंधित चिकित्सा महाविद्यालय के अधीक्षक के माध्यम से कराया जाएगा।

शराब पीने के बाद हुए विवाद में युवक ने फोड़ा बम, एक घायल

CRIME REPORTER RANCHI : सुखदेवनगर थाना क्षेत्र स्थित चूड़ी गली में शराब पीने के बाद हुए विवाद में एक युवक ने बम विस्फोट किया। इस घटना में दूसरा युवक घायल हो गया। बताया जाता है कि शनिवार देर रात कुछ युवक हर दिन की तरह शराब पीकर घर लौटते हुए हंगामा करने लगे। कल दो परिवारों के कुछ युवक शराब पीकर घर लौटे। दोनों परिवारों को अभिभावकों ने घर लौटे युवकों को डांटना शुरू कर दिया, लेकिन मामला इतना बढ़ा कि दोनों परिवार के कुछ लोग आपस में भिड़ गये। इसी बीच बिट्टू नामक युवक ने गुस्से में आकर गुल के डिब्बे में बनाया गया बम जमीन पर पटक दिया। बम के फटने पर एक धमाका हुआ। धमाके में रोहित तिर्की नाम का युवक घायल हो गया। बम फटने की सूचना पर सुखदेवनगर थाना की पुलिस चूड़ी गली पहुंची। तुरंत घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया। घायल रोहित की बांह और छाती पर बम के स्पलिंटर लगे हैं, जिस वजह से उसकी दोनों जगह की चमड़ी जल गयी है। रिम्स में उसका इलाज किया जा रहा है। घटना के बाद आरोपी बिट्टू फरार हो गया, उसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजनाः 1000 करोड़ का है काम, 2000 किलोमीटर रोड बनाने का लक्ष्य, अब अभियंता प्रमुख का पद भी खाली

अबतक 206 करोड़ खर्च, 93 KILOMETER ही बना रोड

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना से इस वित्तीय वर्ष 1000 करोड़ रुपये खर्च किए जाने हैं। इस राशि से पूरे राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में 2000 किमी ग्रामीण सड़क बनाने का लक्ष्य रखा गया है। ग्रामीण कार्य विभाग इन सड़कों को बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। इंजीनियरों से मिली जानकारी के अनुसार इस वित्तीय वर्ष 2023-24 में अब तक 206 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जा चुकी है, जिससे करीब 93 किमी रोड का ही निर्माण अब तक हो पाया है। 30 से अधिक योजना चालू स्थिति में है। इधर, राज्य सरकार ने ग्रामीण कार्य विभाग के अभियंता प्रमुख सह अपर आयुक्त सह विशेष सचिव मुरारी भगत का ट्रांसफर कर दिया है। उन्हें मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग के तकनीकी कोषांगा का अभियंता प्रमुख बनाया है। सरकार के इस फैसले पर सवाल भी उठ रहे हैं। ऐसा इसलिए कि मुरारी ड्डभगत राज्य के इकलौते नियमित अभियंता प्रमुख उन्हें अपर आयुक्त सह विशेष सचिव का भी दर्जा मिला है। वहीं, मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग में अपर आयुक्त का भी पद नहीं है।

इधर, उन्हें पहले भी पथ निर्माण विभाग से ट्रांसफर कर दिया गया था। इधर सरकार ने ग्रामीण कार्य विभाग में किसी अभियंता प्रमुख की पोस्टिंग भी नहीं की या किन्हीं को अतिरिक्त प्रभार भी नहीं दिया है। ऐसे में राज्य संपोषित मुख्यमंत्री ग्राम्य सड़क योजना से करीब 1000 करोड़ का काम व पुल-पुलिया इत्यादि का काम भी फंस गया है। इनका टेंडर डिसाइड करने में परेशानी होगी। काम प्रभावित होगा। हालांकि, यह प्रयास हो रहा है कि जल्द ही सारी सड़कों के निर्माण के लिए टेंडर की प्रक्रिया पूरी करके काम प्रारंभ किया जाये। बारिश का मौसम होने की वजह से कई स्थानों में फिलहाल काम रूका हुआ है, ऐसे में सितंबर के बाद ही कार्य को तेजी से कराया जा सकेगा। इधर, ग्रामीण कार्य विभाग ने सभी पथ प्रमंडल को निर्देश दिया है कि वे सड़कों का चयन व विधायक की अनुशंसा प्राप्त कर लें ताकि डीपीआर इत्यादि तैयार कराके काम प्रारंभ किया जा सके।

बता दें कि, मुख्यमंत्री ग्राम्य सड़क योजना से राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रखंड मुख्यालय, जिला मुख्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र, स्कूल, अस्तपाल,मेजर जिला की सड़कें इत्यादि को जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस बार अधिक चौड़ी सड़कें भी बनायी जायेगी।

BRIEF NEWS

21 वर्ष बाद एफसीआईएल का मिलेगा वैध आवास खुशी की लहर

DHANBAD: स्वतंत्रता दिवस के मौके पर तालियों की गड़गड़ाहट के बीच एफसीआइएल ओएसडी द्वारा एलएचएसएच पद्धति में पहली लीज की घोषणा किए जाने का आवेदन प्रपत्र शनिवार को सिंदरी प्रबंधन ने जारी कर दिया है। एफसीआइएल सिंदरी से संबंधित लोगों को लीज पर आवास उपलब्ध हो सकेगा। इस खबर से अवैध कब्जा कर रह रहे लोगों में आवास मिलने की खुशी की लहर दौड़ पड़ी है, तो कई क्षेत्र में मायूसी भी छाई। एफसीआईएल के मनोहरटांड़, एसएलटु, डोंमगढ़ आदि क्षेत्रों में रह रहे लोगों के लिए आवास लीज की सुविधा उपलब्ध नहीं है। एफसीआइएल सिंदरी संपदा अधिकारी देबदास अधिकारी ने बताया कि एफसीआइएल प्रबंधन ने बगैर लीजधारी आवासों में रह रहे लोगों को लीज पर आवास के लिए योजना और आवेदन प्रपत्र जारी कर दिया है। इस खुशी में सिन्दरी के शहरपुरा मार्केट में लक्की सिंह समर्थक व सिन्दरीवासियों से घंटों आतिशबाजी कर खुशी जाहिर की। इसे लेकर लड़ाई लड़ रहे जनता श्रमिक संघ के संयुक्त महामंत्री लक्की सिंह ने प्रबंधन के अधिकारियों को धन्यवाद देते हुए सिंदरीवासियों का आभार व्यक्त किया है। सिंदरीवासियों की इस जीत पर उन्होंने कहा कि मेरे शहरपुरा बाजार स्थित कार्यालय से सिंदरीवासी लीज आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

गिरिडीह में ऑनलाइन गेम के नाम पर सट्टा लगाने वाला गिरफ्तार

GIRIDIH: गिरिडीह जिले के बेंगाबाद में प्रतिबंधित साइट का इस्तेमाल कर ऑनलाइन गेम के नाम पर सट्टा लगाने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया गया है। इस शख्स को पुलिस ने जेल भेज दिया है। आरोपी सोनबाद गांव निवासी स्व मुरली मंडल का पुत्र अजित उर्फ लालू मंडल के खिलाफ थाना में कांड सं 181/23 के तहत केस दर्ज किया गया है। आरोपी के पास से चोरी का महंगा आईफोन भी बरामद हुआ है। जीतने वाले युवकों को उपलब्ध कराता था नकद राशि अजीत मंडल के दो अन्य सहयोगी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गये। फरार आरोपियों की धर-पकड़ में बेंगाबाद पुलिस जुटी हुई है। पुलिस के अनुसार अजित मंडल प्रतिबंधित क्लासिक ईएक्ससीएच 99 डॉट कॉम का आइडी पासवर्ड बनाकर स्थानीय व ऑनलाइन बेचने का काम कर रहा था। उक्त सर्वर का आईडी और पासवर्ड बेचकर बैटिंग, बॉलिंग व अन्य ऑप्शन से युवाओं को जोड़कर साइबर ठगी का धंधा लंबे समय से करता आ रहा था। आईपीएल टूर्नामेंट में हजारों युवकों से रु लेकर आईडी और पासवर्ड बेचा था। इस धंधे में उसकी टीम सक्रिय थी, जो युवकों से राशि लेकर आईडी पासवर्ड उपलब्ध कराता था। जीतने वाले युवकों को नकद राशि उपलब्ध कराता था। संबंधित हर सदस्य की जीत-हार पर निर्धारित कमीशन भी वसूलता था। उसके तार बेंगाबाद के अलावे अन्य जिलों तक फैले होने की भी जानकारी मिली है।

5 से 20 रुपये तक के कोर्ट फी स्टांप की भारी किल्लत

DEOGHAR: देवघर के कचहरी परिसर में विभिन्न प्रकार के दस्तावेजों में प्रयोग होने वाले स्टांप पेपर व कोर्ट फी स्टांप की एक माह से किल्लत हो गयी है। न्यायालय में दाखिल होने वाले आवेदनों में 20 रुपये के कोर्ट फी लगाये जाने का प्रावधान झारखंड सरकार की ओर से कर दिया गया है। पहले पांच रुपये का कोर्ट फी लगता था, जिसमें बढ़ोतरी कर दी गयी है। जिला कोषागार से कोर्ट फी स्टांप की निकासी होती है, जो स्टांप विक्रेताओं को दिया जाता है और स्टांप वेंडरों से आम लोग खरीदारी करते हैं। हर दिन लाखों रुपये के स्टांप का कारोबार कचहरी परिसर में होता है। पिछले एक माह से न तो पांच रुपये का कोर्ट फी स्टांप मिल रहा है और न ही 10 व 20 रुपये का कोर्ट फी टिकट मिल रहा है। दो रुपये के स्टांप एक-दो वेंडर के पास हैं, लेकिन मांग के अनुसार आपूर्ति नहीं कर पा रहे हैं।

दिन के उजाले में भी धड़ल्ले से हो रही कोयले की चोरी, प्रशासन मौन

कोयला तस्करी को अंजाम दे रहे 'बाइकर्स गैंग', आउटसोर्सिंग कंपनी की मशीनों से उड़ा रहे कोयले

PHTON NEWS DHANBAD: धनबाद जिले में अवैध खनन व कोयला चोरी पर अंकुश लगाने को जारी चिंतन व मंथन कागजों तक ही सिमट कर रह जा रहा है। हकीकत में अंकुश लगाने से संबंधित अधिकारियों के दिशा-निर्देश व विशेष अभियान हाथी के दांत साबित हो रहे हैं। दिखावे के लिए कुछ स्थानों पर छापेमारी व कोयला जब्ती की कार्रवाई जरूर होती है, कुछ गाड़ियां भी पकड़ी जाती हैं, परंतु अंत में स्थिति ढाक के तीन पात जैसी हो जाती है।यही कारण है कि जिले में सक्रिय कोयला तस्करों के सिंडिकेट पर कार्रवाई का कोई खास असर नहीं दिखता। आलम यह है कि जिले के झरिया, निरसा व बाघमारा कोयलांचल में एक बार फिर पूरे हनक के साथ कोयले की तस्करी शुरू हो गयी है। बीसीसीएल के कुसुंडा एरिया स्थित न्यू गोधर कुसुंडा आउटसोर्सिंग परियोजना (पैच-सी) से रात तो रात, दिन के उजाले में भी खुलेआम कोयले की चोरी हो रही है। यहां 'बाइकर्स गैंग' कोयला तस्करी के अगुवा बने हुए

धनबाद कोयला खदान की ● फाईल फोटो

है। इनकी टीम का हिस्सा मजदूर हैं, जो माइंस में लगातार कोयला काटते और बोरियों में भरते रहते हैं। कुछ तो आउटसोर्सिंग कंपनी की मशीनों से कट रहे कोयले में से उठा लेते हैं।चोरी के इस कोयले को बोरियों में भर कर वो जमा करते हैं और सैकड़ों की संख्या में बाइक सवार खदान के अंदर से उन बोरियो में भरे कोयले को बाइक पर लाद कर तस्करों के वैध-अवैध डीपो तक पहुंचाते हैं। इस कार्य में यहां तीन सिंडिकेट सक्रिय है। सूचना के अनुसार यहां काली बस्ती, गंसाडीह व अलकुशा का सिंडिकेट सक्रिय है। इनमें पी मंडल, आर चौहान, गोलू, एस अंसारी, एस खान, डी वर्मा, एस रंजन व डीके कोयला तस्करों के सिंडिकेट के मुखिया बने हुए हैं। इनमे एक पूर्व पार्षद व धनसार के एक रसूखदार की सहभागिता की भी काफी चर्चा है।उनके इशारे पर ही यह खेल चल रहा है। खुलेआम चल रहे इस धंधे में पुलिस, सीआइएसएफ व अधिकारियों की मिलीभगत से इनकार नहीं किया जा सकता.

तस्कर, कारोबारी व सफेदपोश मालामाल, तो मजदूर हो रहे बीमार

शनिवार को जब मौके पर प्रभात खबर की टीम पहुंची, तो देखा कि आउटसोर्सिंग कंपनी की विशालकाय मशीनों से कट रहे कोयले की धूल के बीच कोयला चुराने और उन्हें बोरियों में भरने में सैकड़ों लोग लगे हुए। पूछने पर बताया कि यह धंधा नहीं करेंगे तो वो क्या करेंगे। एक बोरी कोयले की कीमत केवल 160 रुपये मिलने पर कहा कि यही पैसा कई लोगों में बंटता है। बीमारी के संबंध में बताया कि कुछ दिन काम करने के बाद उनमें से कई बीमार पड़ जाते हैं। कुछ का कहना था कि उनकी मेहनत है, पर कमाई दूसरे कर रहे हैं।

एक बोरी कोयला चुराने और डिपो तक पहुंचाने के मिलते हैं 160 रुपये

जानकारों के अनुसार भले ही कोयला चोरी में लगे तस्कर व अन्य लोग मालामाल हो रहे हैं, पर इस कार्य में लगे मजदूरों की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है।यहां पर चोरी में लगे और डिपो तक पहुंचाने वाले मजदूरों के हिस्से प्रति बोरी केवल 160 रुपये आते हैं।नाम नहीं लिखने की शर्त पर बाइकर्स गैंग के सदस्यों ने बताया कि पहले एक बोरा पर 200-250 रुपये मिलते थे, परंतु बरसात व कोयले के डिमांड में कमी बता सिंडिकेट के लोगों ने राशि घटा कर 160 रुपये कर दी है।

काली बस्ती व गंसाडीह में है अवैध डिपो

केंदुआडीह थाना क्षेत्र में स्थित इस माइंस में सुबह से रात तक कोयला चोरी का धंधा जारी रहता है। इस धंधे में लगे सैकड़ों मजदूरों व बाइक सवारों के कारण कभी-कभी परियोजना से संबंधित गाड़ियों व मशीनों को भी रुकना पड़ता है। जानकारों के अनुसार चोरी का कोयला काली बस्ती, तो कुछ बैंक मोड़-पुटकी मुख्य मार्ग पर स्थित लहरा मंदिर के ठीक पीछे गंसाडीह में बने अवैध डिपो में जमा किया जाता है, फिर यहां से पोड़ा या फिर कच्चा कोयला रात के अंधेरे में बिहार-यूपी समेत जीटी रोड के वैध व अवैध भट्ठों तक पहुंचाया जा रहा है। सूचना के मुताबिक यहां से हर दिन दर्जनों ट्रक कोयले की तस्करी हो रही है।

सिंफर के पूर्व निदेशक व मुख्य वैज्ञानिक की गिरफ्तारी पर अगले आदेश तक लगी रोक

PHOTON NEWS DHANBAD: सिंफर में हुए 139 करोड़, 79 लाख, 97 हजार, 871 रुपये के मानदेय घोटाले में सिंफर के पूर्व निदेशक डॉ पीके सिंह एवं चीफ साइंटिस्ट सह हेड ऑफ रिसर्च ग्रुप डॉ एके सिंह को शनिवार को अदालत से राहत मिली। धनबाद सीबीआई के विशेष न्यायाधीश रजनीकांत पाठक की अदालत ने दोनों की गिरफ्तारी पर 26 अगस्त 2023 तक के लिए रोक लगा दी है। इसके पूर्व 22 जुलाई को अदालत ने दोनों की गिरफ्तारी पर शनिवार तक के लिए रोक लगायी थी। इसके अलावा दोनों की ओर से दायर बैंक खातों को डी फ्रिज करने की अर्जी पर भी सुनवाई 26 अगस्त तक टल गयी है। सुनवाई के दौरान सीबीआई के वरीय अभियोजक चंदन सिंह ने दोनों की जमानत अर्जी का विरोध करते हुए कहा कि अभी जांच प्रारंभिक दौर में है। अभी जब्त किये गये सभी दस्तावेजों की जांच चल रही है। इसका विरोध करते हुए बचाव पक्ष के अधिवक्ता रूपेश सिंह ने कहा कि उनके खिलाफ अभिलेख पर कोई ऐसा साक्ष्य नहीं है कि उन्होंने गलत तरीके से पैसा अर्जित किया या उसका भुगतान किया। सुनवाई के दौरान मामले के अनुसंधानकर्ता एएन ठाकुर भी अदालत में मौजूद थे। सीबीआई ने कहा कि वह जमानत अर्जी पर लिखित जवाब दाखिल करेंगे। विपक्ष को सुनने के बाद अदालत ने दोनों की गिरफ्तारी पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। इसके अलावा सीबीआइ को केस डायरी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। सनद रहे सीबीआई के भ्रष्टाचार निरोधी शाखा, धनबाद ने 25 जून 2023 को सिंफर के पूर्व निदेशक डॉ पीके सिंह और चीफ साइंटिस्ट सह हेड ऑफ रिसर्च ग्रुप डॉक्टर एके सिंह के खिलाफ 140 करोड़ रुपये के ऑनरेरियम घोटाले की प्राथमिकी दर्ज की थी। प्राथमिकी के बाद सीबीआई द्वारा डॉ पीके सिंह के 12 और डॉ एके सिंह के पांच बैंक खातों के ऑपरेशन पर रोक लगाते हुए बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया था।

आज की सोमवारी बाबाधाम में कांवरियों की भीड़ बढ़ने की संभावना : देवघर डीसी

PHOTON NEWS DEOGHSR: श्रावणी मेले के दूसरे पक्ष में मलमास के बाद पड़ने वाली सावन सोमवारी पर भीड़ बढ़ने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। शनिवार को बीएड कॉलेज परिसर में डीसी विशाल सागर व एसपी अजीत पीटर डुंगडुंग ने वरीय पदाधिकारियों व दंडाधिकारियों की ब्रीफ किया। डीसी व एसपी ने अधिकारियों को उनके कर्तव्यों व दायित्वों से अवगत कराया। डीसी ने कहा कि मलमास मेले का समापन होने के साथ ही सावन का दूसरा पक्ष शुरू हो चुका है। बाबा नगरी आने वाले सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित व सुगम जलार्पण कराना हम सबकी प्राथमिकता है। आने वाली सोमवारी को कांवरियों की भीड़ बढ़ने की संभावना है। बाबा नगरी आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोपरि है। ऐसे में सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों को सेवा भाव और आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कार्यों को करना है। डीसी ने कहा कि तालमेल के साथ कांवरियों की कतार को सुगमता के साथ आगे बढ़ाना है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हो। यह ध्यान रखना है कि कम्यूनिकेशन गैप नहीं हो। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। डीसी ने मेला क्षेत्र में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि मेला क्षेत्र में बाहर खाने से पहले खाने की क्वालिटी का अवश्य रूप से ध्यान रखें। एसपी ने कहा कि श्रावणी मेला के सफल संचालन के दौरान आप सभी पुलिस पदाधिकारी व दंडाधिकारी की सक्रिय भागीदारी होनी चाहिए। सबकी सहभागिता से ही श्रावण मास का सफल संचालन सुनिश्चित हो सकेगा। सभी को अपनी-अपनी जिम्मेवारी से अवगत कराया जा चुका है। सेवा व समर्पण की भावना से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। इस मौके पर डीडीसी डॉ ताराचंद, एसडीओ दीपांकर चौधरी, नगर आयुक्त शैलेंद्र कुमार लाल, सिविल सर्जन डॉ रंजन सिन्हा, एनडीसी परमेश्वर मुंडा आदि मौजूद थे। सोमवारी की तैयारी को लेकर डीसी विशाल सागर ने बाबा मंदिर के अलावा कुमैठा से मंदिर तक श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बनाये गये रूटलाइन व होल्डिंग प्वाइंट्स का निरीक्षण किया।

गांव में एक ऐसा परिवार, जिसमे बच्चे से बूढ़े तक कलाकार

PHTON NEWS BAKARO: बोकारो जिला गोमिया प्रखंड अंतर्गत तुलबुल पंचायत के तुलबुल गांव में एक एसा परिवार है, जिसमें परिवार के सभी सदस्य मूर्ति (स्टेच्यू), पेटिंग आदि कला में निपुण हैं। सभी परिवार के सदस्य अपने दिनचर्या के कामों को पूरा करने के बाद मूर्ति, पेंटिंग के कार्यों में जुड़ जाते हैं। अपने काम से पूरा परिवार काफी खुशहाल है।घर के मुखिया जगन महतो सिंचाई विभाग में तेनुघाट में कार्यरत थे, जो अब रिटायर्ड हो गए हैं। रिटायरमेंट के बाद भी जगन अपनी कला का बखूबी इस्तेमाल कर रहे हैं। जगन अब 78 वर्ष के हो चुके हैं, इस उम्र में भी वे विभिन्न प्रकार की देवी, देवताओं और भगवान की मूर्तियां बनाते और पेंटिंग के काम भी करते हैं।

बुजुर्ग पत्नी और उनके बच्चे भी देते हैं जगन का साथ

इस काम में जगन की 62 वर्षीय पत्नी बुलूवा देवी भी उनका साथ देती हैं। जगन महतो ने बताया कि साडम के रहने वाले जय किशोर प्रसाद से उन्होंने यह शिक्षा प्राप्त की है। वे साल 1968 यानी बीते 55 वर्षों से इस काम से जुड़े हैं, उनका कहना है कि कला ऐसी विद्या हो जो भुलाया नहीं जा सकता, जितना कला को मांजेंगे उतनी ही चमक आयेगी। जगन के दो पुत्र भी हैं, चोवालाल प्रजापति और उमेश प्रजापति।दोनों भाइयों ने भी अपने पिता से प्रेरणा ली और कला के प्रति समर्पित हैं। दोनों भाई हर धर्म से जुड़ी पूज्य मूर्ति बनाने में काफी निपुण हैं।

जगन के पोता-पोती भी बटाते हैं हाथ

चोवालाल प्रजापति को एक पुत्र प्रभात कुमार और दो पुत्री भी हैं सुमन और प्रिती। बेटियां अभी स्नातक की पढाई कर रही हैं।दोनों बेटियां पढ़ाई के साथ-साथ मूर्ति बनाने और पेटिंग करने में पिता प्रजापति और मां शांति देवी का साथ देती हैं। इसी प्रकार जगन के दूसरे बेटे उमेश प्रजापति की पत्नी चिंता देवी के साथ भी उनकी बेटी रिया कुमारी जो बीए पार्ट वन की छात्रा है और छोटा भाई ऋतिक कुमार सभी इस काम में जुड़े हैं।

पूरा परिवार है आत्मनिर्भर

जगन का पूरा परिवार कला में काफी निपुण है। आज परिवार काफी खुशहाल है।उमेश प्रजापति ने अपने निर्देशन में कई मंदिरों का भी निर्माण किया है।परिवार के सभी सदस्य मूर्ति बनाने और पेटिंग के रोजगार से जुड़कर आत्मनिर्भर बने हैं।उनका कहना है कि हम सभी परिवार के सदस्य साल के बारहों महीने किसी ना किसी पूजा से जुड़े मूर्ति आदि के निर्माण कार्यों से जुडे.रहते हैं।

देवघर में मनाया गया बुजुर्ग दिवस, स्वास्थ्य जांच में हाइपरटेंशन के मिले 135 मरीज

PHOTON NEWS DEOGHAR: स्वास्थ्य चिकित्सा, शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के आदेशानुसार प्रत्येक माह के तीसरे शनिवार को बुजुर्ग दिवस के रूप में मनाया जाता है। शनिवार को देवघर और मधुपुर शहरी क्षेत्र में संचालित शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में बुजुर्ग दिवस का आयोजन किया गया। इस क्रम में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कल्याणपुर, करनीबाद, पुराना सदर अस्पताल, रामपुर पुनसिया, मधुपुर, अटल मोहल्ला क्लिनिक कोरियासा,

थाड़ीदुलामपुर, रोहिणी, चांदपुर सिमरिया, सलोनाटांड़, कल्याणपुर, माथाबांध, पुराना बस स्टैंड, अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर गांधीनगर, बरियारबांधी, चंदाजोरी आदि जगहों पर बुजुर्गों की स्वास्थ्य जांच की गयी। इस दौरान बुजुर्ग मरीजों के मधुमेह, रक्तचाप, बहरापन, दृष्टिदोष की जांच कर दवाइयां वितरित की गयीं। मौके पर जिला शहरी स्वास्थ्य प्रबंधक सुनील मणि त्रिपाठी ने लोगों को स्वस्थ रहने की जानकारी दी। इसके अलावा जिन लोगों को आभा कार्ड नहीं बना है, उसे जल्द बनाने को कहा। मौके पर पुराना अस्पताल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉ पुष्पा कुमारी, करनीबाद में डॉ सुनील कुमार, बरियार बांधी में डॉ सुरभि, डॉ प्रियंका, सिमरिया में डॉ सुधीर प्रसाद, डॉ अलका कुमारी, डॉ रेनू कुमारी सिन्हा, डॉ अंकित अनमोल, डॉ मनोज कुमार, डॉ प्रियदर्शन समेत अन्य थे।

बुजुर्गों में बढ़ रही बीपी व डायबिटीज की समस्या

शिविरों में कुल 875 बुजुर्गों की स्वास्थ्य जांच हुई, जिसमें 151 में डायबिटीज, 135 में हाइपरटेंशन के लक्षण मिले। इसके अलावा 35 बुजुर्गों को इलाज के लिए उच्च संस्थान के लिए रेफर किया गया।

आगरा की तर्ज पर देवघर में बनेगा हॉली-डे होम केंद्र सरकार ने दी 12 करोड़ रुपये की स्वीकृति

PHOTON NEWS DEOGHAR: एम्स व देवघर एयरपोर्ट शुरू होने के बाद भारत सरकार देवघर में केंद्रीय कर्मचारियों व ऑफिसर्स के लिए गेस्ट हाउस बनाना चाहती है। देवघर सहित संताल परगना में भारत सरकार के कई प्रोजेक्ट चालू हैं। साथ ही आने वाले दिनों में भी भारत सरकार की कई परियोजनाओं पर काम शुरू होना है, इसकी जरूरत को देखते हुए गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने देश के अन्य शहरों की तर्ज पर देवघर आने वाले केंद्रीय कर्मचारियों व अधिकारियों के ठहरने के लिए एक हॉली डे होम

बनाने का प्रस्ताव केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पूरी को दिया था। केंद्रीय मंत्री के निर्देश पर मंत्रालय ने देवघर में इस होली डे होम की योजना बनायी। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा देवघर में हॉली डे होम के लिए 12 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गयी है। आगरा की तर्ज पर यह हॉली डे होम बनेगा। इसमें सारी सुविधाएं होंगी। आवास के साथ-साथ गार्डन भी बनाये जायेंगे। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग ने राज्य सरकार से देवघर में हॉली डे होम के लिए जमीन मांगी थी। देवघर एसी ने 18 जनवरी 2023 को मोहनपुर अंचल के भौरा जमुआ में डेढ़ एकड़ सरकारी जमीन हॉली डे होम के लिए चिह्नित करते हुए केंद्रीय लोक निर्माण विभाग को प्रस्ताव भेजा था। जिला प्रशासन के प्रस्ताव पर केंद्रीय लोक निर्माण विभाग की टीम देवघर आयी व भौरा जमुआ में जमीन का जायजा लिया, लेकिन केंद्रीय टीम उक्त स्थल से संतुष्ट नहीं है।

धनबाद में कमाने-खाने के लिए सबसे ज्यादा कोयले पर निर्भर हैं लोग, बसावट भी उसी के हिसाब से

विश्वास की कच्ची डोर बनाम गोफ में समाती जिंदगी

PHOTON NEWS DHANBAD: धन से आबाद धनबाद की अर्थव्यवस्था ऐसी नहीं कि कोई व्यक्ति कहीं भी बस कर जीविकोपार्जन कर ले। यहां कमाने-खाने के लिए सबसे ज्यादा कोयले पर निर्भरता है। अधिकांश उद्योग-धंधे (चाहे वैध हों या अवैध) भी इसी पर आधारित हैं। बसावट भी उसी के हिसाब से है। हाल के दिनों धनबाद के आसपास के इलाके में लगातार गोफ बनने की घटनाएं हो रही हैं। इससे जान-माल की क्षति भी जारी है। एक व्यक्ति गोफ में समा कर भूमिगत तपन से जल-भुन कर जान से हाथ धो बैठा, तो दूसरी जगह अपने दो बच्चों के साथ गोफ में समाये पिता की किस्मत अच्छी थी कि तीन युवकों ने स्वयं को जोखिम में डाल तीनों को सकुशल बचा लिया। कई मकान व धार्मिक स्थल भी क्षतिग्रस्त हो गये हैं। ये घटनाएं इस इलाके के लिए नयी नहीं हैं, पर हाल में

इनकी निरंतरता ने चिंता में डाल दिया है। दरअसल, ये इलाके अतिसंवेदनशील हैं। भूमिगत आग के कारण खोखले हो चुके हैं। इनको खाली करने व यहां के लोगों को दूसरी जगह बसाने की बात लगभग सभी सुरक्षा एजेंसियां व जांच टीम ने कह दी है, पर अभी भी अधिकांश जगह हालत जस का तस है। कई जगह तो हालत यह है कि कुछ ही दूरी पर आग की लपटें या गैस का रिसाव जब-तब होते रहता है, पर लोग हटने को तैयार नहीं।

रोटी की खातिर जीवन को खतरे में डाला

इसके पीछे कई कारण हैं, पर सबसे महत्वपूर्ण कारण आर्थिक और मानसिक है। दरअसल, धन से आबाद धनबाद की अर्थव्यवस्था ऐसी नहीं कि कोई व्यक्ति कहीं भी बस कर जीविकोपार्जन कर ले। यहां कमाने-खाने के लिए सबसे ज्यादा कोयले पर निर्भरता है। अधिकांश उद्योग-धंधे (चाहे वैध हों या अवैध) भी इसी पर आधारित हैं। बसावट भी उसी के हिसाब से है। विभिन्न कोलियरियों में दूर-दूर से आये लोग उसी के आसपास बस कर यहीं के हो कर रह गये। तब कहा भी जाता था कि कहीं नौकरी नहीं मिले, तो धनबाद आइये, नौकरी पक्की है। अधिकांश लोग इन्हीं कोलियरियों से किसी न किसी रूप में जुड़ कर कमाने-खाने वाले रहे। यानी कि कोयलांचल की जिंदगी इन्हीं खदानों, कोयले की खुशबू और पसीने से लथपथ पर संतुष्ट चेहरे में सिमटी रही। अब ऐसे हालात नहीं। बावजूद इसके, आज भी कहीं और बसने या बसाये जाने के ख्याल से ही सबकी रूह कांप जाती है। अब भी अपने इलाके से आर्थिक और मानसिक मोह जीवन को खतरे में डाले रखने पर विवश कर रहा।

विश्वास जीतने में पिछड़ी व्यवस्था

लगभग रोज अखबारों में गोफ, लोगों को कहीं और बसाने और विरोध की खबरें जगह पा रही हैं। कहीं-कहीं से पुनर्वास के नाम पर भयादोहन-अर्थ दोहन के भी आरोप-प्रत्यारोप आ रहे हैं। कुछ स्थानों पर आरोप है कि बसाने के लिए ऐसी जगहों की तलाश की गयी है, जो सुरक्षा और अन्य कारणों से रहने योग्य नहीं। दरअसल, सरकारी तौर पर पुनर्वास की बेहतर योजना झरिया पुनर्वास योजना भी गंभीर प्रचार-प्रसार या कुछ लोगों के कारण लोगों का विश्वास नहीं जीत पायी है। इस योजना के तहत अति संवेदनशील इलाकों में वैध या अवैध रूप से बसे सभी लोगों को लाभ मिलना है, पर जरूरत है बेहतर तरीके से सबको इसकी जानकारी देने की।

अब भी समय है योजनाओं की सही जानकारी जनप्रतिनिधि के साथ मिल कर लोगों तक पहुंचायी जाये। कहीं कोई कमी है, तो उसकी भी चर्चा हो और वो कमियां दूर हों। साथ ही लोभ-लाभ से अलग हो एक बार सब मिल कर गलत को गलत और सही को सही कहें, लोगों को समझायें-बतायें, जरूरत के अनुसार चीजों में परिवर्तन करें, तो कमजोर होती विश्वास की यह डोर निश्चय ही मजबूत होगी और फिर कोई गोफ किसी जिंदगी या आशियाने को लील नहीं पायेगा।

BRIEF NEWS

मारवाड़ी युवा मंच ने साकची बाजार शिव मंदिर में किया प्रसाद वितरण

JAMSHEDPUR : मारवाड़ी युवा मंच स्टील सिटी सुरभि शाखा द्वारा जन सेवा कार्य के तहत रविवार की सुबह स्वर्गीय गिरधारी लाल देबूका की पुण्यतिथि पर साकची बाजार स्थित शिव मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रसाद (खीर, सब्जी एवं खिचड़ी भोग) का वितरण किया गया। प्रसाद लगभग 450 से अधिक लोगों ने ग्रहण किया। यह कार्यक्रम शाखा अध्यक्ष निशा सिंघल के नेतृत्व में विनोद देबूका एवं संजय देबूका के सहयोग से आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से छितरमल धूत, निशांत धूत, सुभाष शाह, ओमप्रकाश रिंगसिया, बजरंग अग्रवाल, उमेश शाह, सांवरमल अग्रवाल, गिरधारी अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, संतोष अग्रवाल अरुण बाकरेवाल, प्रदीप देबूका आदि शामिल होकर अपने हाथों से प्रसाद वितरण किया। इसे सफल बनाने में शाखा सचिव कविता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष ज्योति अग्रवाल, उषा चौधरी, अनीता अग्रवाल, खुशबू कांवटिया आदि का योगदान रहा।

बिष्टुपुर राजस्थान भवन में रक्तदान शिविर 22 को

JAMSHEDPUR : शहर की सामाजिक एवं धार्मिक संस्था श्री श्याम सेवा समिति बिष्टुपुर एवं जिला मारवाड़ी सम्मलेन बिष्टुपुर शाखा द्वारा संयुक्त रूप से बिष्टुपुर स्थित राजस्थान भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन मंगलवार 22 अगस्त को होने जा रहा है। यह शिविर प्रातः 9.30 बजे से संध्या 4 बजे तक चलेगा। इस संबंध में रविवार को श्री श्याम सेवा समिति के संयोजक मुकेश आगीवाल एवं मारवाड़ी सम्मलेन बिष्टुपुर शाखा के अध्यक्ष सुनील सोंथालिया ने संयुक्त रूप से बताया की स्व.रमा देवी एवं स्व. श्याम सुंदर अग्रवाल की पूण्य स्मृति में उनके परिवारजनों द्वारा इस रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से आयोजित होगा। सभी रक्तदाताओं को सम्मानित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि बरसात एवं गर्मी के कारण रक्त की कमी हो जाती है इसलिए आग्रह होगा ज्यादा से ज्यादा संख्या में रक्तदान अवश्य करे। इसे सफल बनाने में सभी साथी प्रयासरत है। यह जानकारी समिति के सचिव अरुण गुप्ता ने दी।

श्रम विभाग के कार्यालय से सोलर सिस्टम की चोरी

JAMSHEDPUR : सीतारामडेरा थाना अंतर्गत श्रम विभाग के कार्यालय से सोलर सिस्टम की चोरी कर ली गई। इस संबंध में श्रम अधीक्षक अरविंद कुमार के बयान पर सीतारामडेरा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। घटना 9 अगस्त की बताई जा रही है। हालांकि इस मामले की जांच पहले विभागीय स्तर पर कराई गई, इसके बाद सीतारामडेरा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। मामले को लेकर थाना प्रभारी भूषण कुमार ने बताया कि श्रम विभाग कार्यालय के छत पर लगे सोलर सिस्टम की चोरी की गई है। जिसकी कीमत एक से डेढ़ लाख रुपये है। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है।

SOUTH EASTERN रेलवे के एजीएम ने किया टाटानगर स्टेशन का निरीक्षण

फर्श पर गिर रहे पानी को देखकर भड़के, जल्द ठीक करने का दिया निर्देश

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :

साउन ईस्टर्न रेलवे के एजीएम अनिल दुबे रविवार को टाटानगर स्टेशन का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान असिस्टेंट एआरएम टाटानगर अभिषेक कुमार सिंघल, एडीआरएम विनय कुजूर, एसीएम कॉमर्शियल बबन कुमार, स्टेशन डायरेक्टर रघुवंश कुमार, टाटानगर आरपीएफ पोस्ट प्रभारी एसके तिवारी के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद रहे। एजीएम शनिवार रात ही टाटानगर पहुंच गए थे।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत उन्होंने सबसे पहले सभी अधिकारियों के साथ एक मीटिंग की और फिर गार्ड लॉबी में जाकर निरीक्षण किया। यहां से निकलकर वे सीधे दूसरे इंट्री गेट के पास पहुंचे। दूसरे इंट्री गेट पर वाटर फिल्टर से फर्श पर गिर रहे पानी को देखकर भड़क उठे और संबंधित अधिकारी फटकार लगाते हुए जल्द से जल्द ठीक करने का निर्देश दिया। इसके बाद उन्होंने पार्सल रूम का भी निरीक्षण किया।

टाटानगर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करते एजीएम। ● फोटोन न्यूज

ट्रेन का सेफ्टी और पैसेंजर की सुविधा पहली प्राथमिकता झ एजीएम

पत्रकारों को संबोधित करते हुए एजीएम अनिल दुबे ने कहा कि ट्रेनों की सेफ्टी और पैसेंजर को मिलने वाली सुविधा उनके लिए पहली प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान भी इसी बात को देखा गया। वहीं रेल मदद ऐप में आने वाली शिकायतों से कैसे निपटा जा सके इस पर भी चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि सेक्शन में एक बार में 84 से 90 ट्रेनें संचालित हो रही है जिस कारण कई ट्रेनें लेट चलती है। वहीं कई बार ब्लॉक लेने के कारण भी ट्रेनें लेट चलती है। उन्होंने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को बताया कि नाइट इंस्पेक्शन पर ज्यादा ध्यान दिया जाए और स्थानीय लोगों से संपर्क बनाए ताकि दुर्घटना को कम किया जा सके। टाटानगर स्टेशन का निरीक्षण करने के बाद एजीएम चक्रधरपुर के लिए निकल गए।

मां ने मोबाइल देखने पर लगाई फटकार, नाबालिग ने खा लिया कीटनाशक

JAMSHEDPUR : सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल की रहने वाली 13 वर्षीय किशोरी ने मां की फटकार से नाराज होकर कीटनाशक का सेवन कर आत्महत्या का प्रयास किया। किशोरी की तबीयत बिगड़ने पर परिजनों को इसकी जानकारी हुई, जिसके बाद परिजन उसे लेकर स्थानीय अस्पताल पहुंचे। जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए एमजीएम रेफर कर दिया गया। किशोरी की मां ने बताया कि उनकी बेटी हर पल मोबाइल का इस्तेमाल करती रहती है। सुबह उसे मोबाइल इस्तेमाल करने से मना किया तो उसने गुस्से में कीटनाशक पी लिया। थोड़ी देर बाद जब उसकी तबीयत बिगड़ने लगी तो उसने कीटनाशक पीने की बात बताई।

स्वास्थ्य मंत्री के अश्लील वीडियो प्रकरण में भाजपा नेता से पूछताछ

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता का अश्लील वीडियो वायरल होने के मामले में रविवार को भाजपा नेता विकास सिंह से साइबर थाना में पूछताछ की गई। इसके पूर्व पुलिस ने विकास सिंह को थाना में प्रस्तुत होने का नोटिस भेजा था। इस दौरान साइबर थाना प्रभारी उपेंद्र मंडल एवं पुलिस अवर निरीक्षक दीपक कुमार ने विकास सिंह से लगभग आधे घंटे तक पूछताछ की। साइबर पुलिस द्वारा अश्लील वीडियो के मामले में कई सवाल पूछे गए। जिसपर उन्होने जवाब दिया। विकास सिंह ने साइबर थाना में स्पष्ट करते हुए कहा कि जब तक असली महिला सामने नहीं आ कर मामले का खंडन करती है या फिर मंत्री स्वयं असली महिला को सामने नहीं ला देते हैं तब तक समय-समय पर यह वीडियो वायरल होता रहेगा।

जनप्रतिनिधि की अच्छाई-बुराई दिखाना सभी का कर्तव्य 3

उन्होंने पुलिस को बताया कि इक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते अपने जनप्रतिनिधि की अच्छाई और बुराई आम जनता के बीच रखना सभी लोगों का कर्तव्य है। वही कर्तव्य वीडियो वायरल करके उन्होंने पूरा किया है। साइबर थाना प्रभारी को भरोसा दिलाते हुए विकास सिंह ने कहा कि पूरे प्रकरण में जहां भी साइबर थाना को सहयोग की जरूरत पड़ेगी वे करेंगे। उन्होंने साइबर थाना में मौजूद अफसरों से निवेदन किया कि आप सभी जानते हैं कि वीडियो पूरी तरह असली है, इसलिए स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के द्वारा दिए गए आवेदन को निरस्त करते हुए मंत्री के ऊपर कार्रवाई की अनुशंसा करें।

चैंबर ने GST निबंधन में हो रही परेशानी से CBIC के चेयरमैन को कराया अवगत

कई आवेदनों को चार-चार बार किया गया अस्वीकृत

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :

व्यापारियों को जीएसटी निबंधन में हो रही परेशानियों को देखते हुए सिंहभूम चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने पत्र लिख कर सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्स एंड कस्टम (सीबीआईसी) के चेयरमैन का ध्यानाकृष्ट कराया है। इस संबंध में चैंबर के मानद महासचिव मानव केडिया ने कहा कि जमशेदपुर के व्यापारियों को जीएसटी रजिस्ट्रेशन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और इसका मुख्य कारण बिहार और झारखंड के लिये केन्द्रीय प्रसंस्करण केन्द्र (सीपीसी) को बिहार की राजधानी पटना में स्थित होना है।

इस कारण जब भी कोई व्यवसायी जीएसटी में निबंधन के लिए आवेदन करता है तो जीएसटी पोर्टल स्वचालित रूप से उस आवेदन को राज्य या केन्द्रीय विभाग को भेज देता है और इस पर पटना में स्थित केन्द्रीय प्रसंस्करण केन्द्र (सीपीसी) आगे की कार्रवाई करता है और केन्द्रीय क्षेत्राधिकार व्यवसाय के स्थान की गलतफहमी के कारण अधिकांशतः जीएसटी निबंधन के आवेदनों को खारिज कर देता है।

ऐसी शिकायतें भी मिलती है कि कई आवेदनों को चार-चार बार अस्वीकृत कर दिये गये हैं। इसलिए सिंहभूम चैम्बर ने चेयरमैन का ध्यानाकृष्ट कराते हुए कहा है कि प्रत्येक राज्य में राज्य कर कार्यालय की तरह ही केन्द्रीय प्रसंस्करण केन्द्र (सीपीसी) का कार्यालय होना अति आवश्यक है जहां उस राज्य के अधिकारी ही सभी आवेदनों की उचित जांच कर निबंधन की मंजूरी प्रदान करें। इससे जमशेदपुर या झारखंड राज्य ही नहीं देश के सभी राज्यों के व्यवसायियों को जीएसटी में निबंधन कराने में आसानी होगी। इसलिए राजस्व हित और देशहित में इसपर त्वरित निर्णय लेने का आग्रह किया है।

शादी के एक माह बाद प्रेमी संग भागी महिला

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :

जमशेदपुर के सीतारामडेरा थाना अंतर्गत भुंइयाडीह कल्याण नगर निवासी राकेश पोद्दार की पत्नी जूही पाल शादी के एक माह बाद ही अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई। इस संबंध में राकेश पोद्दार ने अपनी पत्नी जूही पाल और उसके प्रेमी ऋतिक के खिलाफ सीतारामडेरा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। राकेश की शादी बोकारो के बालीडीह स्टेशन रोड निवासी गणेश पाल की बेटी जूही पाल से 24 जुलाई को ही हुई थी। राकेश ने पुलिस को बताया कि शादी के बाद से ही पत्नी के साथ विवाद चलता रहता था। पत्नी कभी सही से बात नहीं करती थी और ना ही उसे प्यार करती थी। 17 अगस्त की सुबह जब उसकी नींद खुली तो पाया की जूही घर पर नहीं है। घर की जांच करने पर पता चला की शादी में मिलने वाला गहना और कुछ नकद गायब है जिसका मूल्य एक से डेढ़ लाख रुपये होगा।

ससुराल पक्ष ने बताई प्रेम संबंध की बात : राकेश ने पुलिस को बताया कि जब जूही घर पर नहीं मिली को उसने ससुराल में फोन किया। ससुराल से उसे बताया गया कि वह किसी ऋतिक नाम के युवक से प्रेम करती थी। घर वालों को इसकी जानकारी होने पर जूही की शादी करवा दी। संभवतः जूही ऋतिक के साथ ही भाग गई होगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भोजपुरी फिल्म दुल्हनियां दौलत वाली की शूटिंग आज से होगी शुरू

फिल्म के लीड रोल में होंगे शहर के राहुल सिंह राजपूत व मनी भट्टाचार्य

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :

गीत, संगीत व फिल्म के क्षेत्र में लौहनगरी तेजी से आगे बढ़ रही है। सोमवार से शहर में भोजपुरी फिल्म 'दुल्हनियां दौलत वाली' की शूटिंग होने जा रही है, जिसमें लगभग 80 प्रतिशत मौका यहां के स्थानीय कलाकारों को मिलेगा। फिल्म के निर्देशक रवि सिन्हा मुंबई से शहर पहुंच चुके हैं। इसे लेकर रविवार को सीतारामडेरा स्थित ज्ञानी होटल में एक संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस फिल्म के लीड रोड में शहर के राहुल सिंह राजपूत व मनी भट्टाचार्य नजर आएंगी।

इस मौके पर अभिनेता राहुल सिंह ने कहा कि जमशेदपुर के कलाकारों में काफी प्रतिभा है। अब यहां फिल्म बनने से वैसे कलाकारों को अधिक से अधिक मौका मिल सकेगा। वहीं, फिल्म के निर्देशक रवि सिन्हा ने बताया कि वे अपने तीन फिल्मों की शूटिंग को लेकर जमशेदपुर आएं हैं। एक फिल्म की शूटिंग सोमवार से शुरू हो जाएगी। रवि सिन्हा भोजपुरी स्टार पवन सिंह, खेसारी लाल व दिनेश लाल यादव जैसे कलाकारों के साथ भी काम कर चुके हैं। इस फिल्म का निर्माण मां दुर्गा फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले की जा रही है। संवाददाता सम्मेलन में निर्देशक रवि सिन्हा, अभिनेता राहुल सिंह राजपूत, अभिनेत्री मनी भट्टाचार्य, श्वेता सिंह राजपूत, गायक सौरव, उदय साहू, रणधीर सिंह, मनोज पांडे, प्रिया श्रीवास्तव, प्रीति कौर, सुनील सहाय आदि उपस्थित थे।

मीडिया को जानकारी देते कलाकार। ● फोटोन न्यूज

मील का पत्थर साबित होगी फिल्म

अभिनेत्री मनी भट्टाचार्य व श्वेता सिंह राजपूत ने बताया कि दुल्हानियां दौलत वाली भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में मील का पत्थर साबित होगी। इस फिल्म में सामाजिक संदेश है जो वर्तमान समय में हर परिवार को जरूरत होती है। इस फिल्म दौलत और इमोशन को अलग तरीके से दिखाया जाएगा। वहीं, मनी भट्टाचार्य ने कहा कि वो फिल्म की शूटिंग को लेकर इससे पूर्व भी जमशेदपुर आ चुकी हैं। यहां के लोगों में फिल्म को लेकर जबरदस्त क्रेज है।

सरकार सब्सिडी देगी तो फिल्म निर्माण में आएगी तेजी : अभिनेत्री श्वेता सिंह राजपूत ने कहा कि फिल्मों के निर्माण में काफी अधिक राशि खर्च आती है। ऐसे में अगर झारखंड सरकार सब्सिडी दें तो फिल्मों के निर्माण में तेजी आएगी। इससे अच्छी-अच्छी फिल्में बनेगी और अधिक से अधिक कलाकारों को मौका मिलेगा। यहां फिल्म शूटिंग के लिए काफी अच्छे-अच्छे जगह हैं। उन्होंने कहा कि उत्तरप्रदेश की तरह यहां भी आर्थिक सहयोग मिलनी चाहिए।

राणी सती दादी मंदिर में धूमधाम से मनाया गया सिंधारा उत्सव

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :

शहर की धार्मिक संस्था श्री राणी सती सत्संग समिति जुगसलाई द्वारा रविवार को श्री राणी सती दादी जी का सिंधारा तीज उत्सव (हरियाली तीज) धूमधाम से जुगसलाई गर्ल्स स्कूल रोड स्थित श्री राणी सती दादी मंदिर में मनाया गया। यजमान सुधा-अनिल कुमार अग्रवाल (समिति अध्यक्ष) ने पूजा कर ज्योत प्रज्वलित की। मंदिर के पुजारी बिमल पाण्डेय ने पूजा करायी। दोपहर 3.30 बजे से चुदड़ी ओढ़े 121 महिलाओं द्वारा सामूहिक रूप से मंगल पाठ किया गया। झूला पर दादी मां की शानदार झांकी सजाई गई थी, जो आकर्षण का केन्द्र रही।

स्थानीय भजन गायक गोविंद भारद्वाज द्वारा म्हारा प्यारा रे गजानन आईजो.. गणेश वन्दना मंगलपाठ वाचन का शुभारंभ किया गया। मंगल पाठ का वाचन करते हुए का सुनीता भारद्वाज ने झुंझुनू वाली दादी ए बुलावा थाणे आज... बड़े चाव सु दादी थारो झूलो एक घलायो जी..., रिमझिम रिमझिम मेघलो बरसे सावन की फुहार है..., दादी जी थारो खूब करा श्रृंगार... आदि भजनों की शानदार प्रस्तुति दी। इसके बाद अदिति भारद्वाज ने मेहंदी राचन लागी हाथा में दादी के नाम की..., आओ सभी सखी मिलकर दादी ने झूला झूलावा..., तेरा किसने किया श्रृंगार.. भजनों की प्रस्तुति दी। दादी मां की, मंगल पाठ के दौरान बीच-बीच में दादी मां का जन्म उत्सव, चुनडी उत्सव, गजरा उत्सव जैसे भजनों की रसधारा पर महिलाएं झूमने लगी।

समिति के जगदीश शर्मा ने गाजरो लाया दादी थारो खूब करें श्रृंगार..., सुधीर शर्मा ने मेहंदी मांडना आया दादी कितनी सुन्दर कितनी भोली लगे..., बैजनाथ शर्मा ने सावन की बरसे बदरिया भींगे मां की चुनरिया..., श्रृंगार तेरा मैया कहो किसने सजाया है... भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर श्री राणी सती दादी जी का भव्य श्रृंगार कोलकाता के कारीगरों द्वारा किया गया था।

इस धार्मिक कार्यक्रम को सफल बनाने में कमल अग्रवाल, अजय अग्रवाल, दिलीप कुमार रिंगसिया, मनीष केडिया, दीपक गोयल, मनोज शर्मा, राजेश अग्रवाल, विनोद कुमार गर्ग, राजेश कसेरा, दिनेश अग्रवाल, कैलाश शर्मा, अरूण अग्रवाल, सुशील अग्रवाल, दिलीप केडिया, उमेश कुमार, अनील खण्डेलवाल, अश्वनी अग्रवाल, ओम भारद्वाज, अमन अग्रवाल, मनोज अग्रवाल आदि सदस्यों का योगदान रहा।

भजन प्रस्तुत करती कलाकार व झूमते लोग। ● फोटोन न्यूज

KOLHAN UNIVERSITY संविदा शिक्षक संघ की बैठक संपन्न, 17 कॉलेजों से लगभग 60 शिक्षकों ने लिया भाग

नीड बेस्ट शिक्षकों के साथ भेदभाव कर रहे विश्वविद्यालय: संघ

कई शिक्षकों को बनाया गया संघ का प्रतिनिधि

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :

कोल्हान विश्वविद्यालय संविदा शिक्षक संघ की एक बैठक रविवार जमशेदपुर स्थित तुलसी भवन में संपन्न हुई। बैठक में कोल्हान के 17 कॉलेजों से लगभग 60 शिक्षकों ने भाग लिया। इसमें नीडबेस्ड शिक्षकों के साथ महाविद्यालय प्रबंधन और कही कही विश्वविद्यालय प्रबंधन के द्वारा भेदभाव पूर्ण व्यवहार करने, अनावश्यक रूप से उनके मानदेय में कटौती करने, सरकार द्वारा जारी संकल्प की अलग अलग व्याख्या करने, सरकार से मिलकर नीडबेस्ड शिक्षकों की सेवा समायोजन करने, जब तक समायोजित नहीं किया जाता निश्चित मानदेय के साथ 65 वर्ष तक सेवा विस्तार देने संबंधित बातों पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया। बैठकों में सभी शिक्षकों ने संगठन के माध्यम से इस कार्य को करने के लिए आवश्यक चीजों के बारे में अपने अपने विचार रखे।

बैठक में शामिल संघ से जुड़े शिक्षक। ● फोटोन न्यूज

समायोजन के लिए सरकार पर दबाव बनाएगा संघः बैठक में मुख्य वक्ता सह अतिथि के रूप में उपस्थित राकेश कुमार पाण्डेय ने अपने विचार रखते हुए कहा कि नीडबेस्ड शिक्षकों की पूरे राज्य में लगभग एक ही स्थिति है रह सही है कि इनके साथ भेदभाव किया जाता है। इसलिए संघ ने निर्णय लिया है कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में कार्यरत लगभग 600 नीडबेस्ड शिक्षकों के समायोजन हेतु संघ सरकार के साथ मिलकर न सिर्फ प्रयास करेगा ब्लकि आवश्यकता पड़ी तो जन दबाव के द्वारा समायोजित करने को मजबूर कर दिया जायेगा। राकेश पाण्डेय ने कहा मुख्यमंत्री जी हमारी समस्याओं के प्रति गंभीर हैं। उनसे मुलाकात के दौरान हुए वार्ता में हमारी समस्याओं का उचित समाधान की बात भी कही है।

राकेश पाण्डेय ने कहा कि राज्य के किसी भी विश्वविद्यालय में किसी भी शिक्षक के साथ महाविद्यालय या विश्वविद्यालय पदाधिकारियों के किये जाने वाले गलत कार्य को संघ बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि उम्मीद है चुनाव पूर्व सरकार हमारी मांगों को पूरा करेगी।

प्रदेश संरक्षक डॉ. कमलेश कुमार कमलेंदू ने कहा कि हमारी एकजुटता और संघ के द्वारा किया गया प्रयास से हमें 6 वर्ष बाद बढ़ी हुई सैलरी प्राप्त हुई है जो संघ के प्रयास और संघ द्वारा किया गया वादा पूरा करता है। बैठक में कन्हैया बारिक, बी. डी. सिन्हा, सुरेश कुमार, रानी कुमारी ने भी विचार रखे।

बैठक में ये हुए शामिलः बैठक में डॉक्टर प्याली विश्वास, डॉक्टर कंचन सिन्हा, डॉ सिंगो सोरेन, डॉ रुचि स्मिता, डॉ नूतन रानी, अंशु श्रीवास्तव, डॉक्टर रुचिका तिवारी, डॉ प्रियंका कुमारी, डॉक्टर श्वेतलता, रविशंकर राय,डॉक्टर इमरान अहमद, डा.फिरदोस जबीन, डॉक्टर सोनी सिन्हा, डॉक्टर साधना कुमारी, डॉ उषा सिंह, डॉ नम्रता कुमारी, डॉ प्रशांत, डॉक्टर सैफी उल्ला अहमद ,डॉक्टर नूर दानिश, प्रेमा नुतन गाड़ी, डॉ एनसी महतो, चिरंतन महतो, भुवन भास्कर, रोहित कुमार

कई शिक्षकों को बनाया गया संघ का प्रतिनिधि

कोल्हान विश्वविद्यालय के तहत आने वाले कॉलेज के लिए संघ के प्रतिनिधि भी बनाए गए। जिसमें रोहित कुमार पूर्वे को एबीएम कॉलेज, राजीव कुमार सुअर भाष्कर को बहरागोड कॉलेज, डॉ. एनसी महतो को सिंहभूम कॉलेज चांडील, डॉ. नुतन कुमारी को वर्कर्स कॉलेज, रविशंकर राय को को-आपरेटिव कॉलेज, कन्हैया बारिक को घाटशिला कॉलेज, नंदकिशोर महतो खरसावां मॉडल, रानी कुमारी को एलबीएसएम कॉलेज, प्रेमा नूतन गाड़ी को मॉडल महिला कॉलेज खरसावां, गोपीनाथ पाण्डेय को काशी साहू कॉलेज सरायकेला , जीवन शाह को डिग्री कॉलेज जगन्नाथपूर, ईमरान एरिक को जेलएन कॉलेज चक्रधरपुर, प्रशांत खरे को महिला कॉलेज चाईबासा और डॉ. नमिता कुमारी को ग्रैजुएट कालेज जमशेदपुर शामिल हैं।

स्लुइस गेट की मरम्मत को लेकर एक दिवसीय उपवास

धरने पर बैठे बागबेड़ा के लोग। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :

बागबेड़ा शिवघाट स्थित स्लुइस गेट की मरम्मत की मांग को लेकर सिदो कान्हू मैदान में रविवार को बागबेड़ा बस्तीवासियों ने एकदिवसीय उपवास रखा। बस्तीवासियों ने उपवास रख कर जिला प्रशासन का ध्यान इस समस्या की ओर आकृष्ट करने का प्रयास किया। इस संबंध में पूर्व जिला परिषद सदस्य किशोर यादव ने बताया कि विभाग द्वारा करोड़ों रुपए खर्च कर शिवघाट में स्लुइस गेट का निर्माण किया गया, ताकि बागबेड़ा में नदी के तटीय इलाकों में बाढ़ की स्थिति पैदा ना हो। पिछले कई वर्षों से स्लुइस गेट की स्थिति जर्जर हो गई है। सही तरीके से फाटक नहीं खुलने की वजह से 2 घंटे की बारिश में ही तटीय इलाकों के सैकड़ों घरों में नाले का पानी प्रवेश कर जा रहा है।

घरों में नाले का पानी प्रवेश करने की वजह से गंदगी और महामारी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। इस स्थिति को देखते हुए जिले के उपायुक्त ने संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को इस स्थिति में सुधार के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिया था। इसके बावजूद भी स्थिति जस की तस बरकरार है।

क्या करेंगे पवार

जब से एनसीपी का एक धड़ा अजित पवार की अगुआई में एकनाथ शिंदे मंत्रिमंडल का हिस्सा बना है, तभी से पार्टी के सर्वोच्च नेता शरद पवार के रुख में एक तरह की अनिश्चितता दिख रही है। यह अनिश्चितता विरोधियों को ही नहीं, उनके सहयोगियों और समर्थकों को भी उलझन में डाल रही है। शुरू में उन्होंने बहुत स्पष्टता के साथ कहा कि वह अजित पवार के इस कदम को सहन नहीं करेंगे और भले ही उनकी उम्र ज्यादा हो गई हो, लेकिन बीजेपी की इस चाल के खिलाफ रैलियां कर कार्यकताओं और वोटरों को एकजुट करेंगे। लेकिन उसके बाद पुणे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार दिए जाने का कार्यक्रम हुआ तो विपक्षी नेताओं की सार्वजनिक अपीलों की अनदेखी करते हुए उस कार्यक्रम में शामिल होने चले गए। इससे पहले वह अजित पवार की सार्वजनिक आलोचना करने से तो बचते ही रहे हैं, अलग-अलग मौकों पर तीन बार उनसे मुलाकात भी कर चुके हैं। खासकर तीसरी मुलाकात ज्यादा चर्चित हुई क्योंकि इसे कथित तौर पर गोपनीय रखने की भी कोशिश की गई। शिवसेना (उद्धव ग्रुप) और प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि इससे गठबंधन में भ्रम की स्थिति बन रही है और शरद पवार को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। अपने तईं शरद पवार ने यह स्पष्टीकरण जरूर दिया कि उनके विचार बीजेपी से अलग हैं और इसीलिए वह कभी बीजेपी में जाना मंजूर नहीं करेंगे। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि उनके कई शुभचिंतक हैं जो उन्हें इसके लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं। साफ है कि बीजेपी से हाथ मिलाने का सुझाव देने वाले लोग अगर शरद पवार की नजर में आज भी शुभचिंतक बने हुए हैं तो विपक्षी इंडिया गठबंधन के लिए थोड़ा चिंतित और आशंकित होना स्वाभाविक है। आम तौर पर राजनीति में और खासकर शरद पवार की राजनीति में पत्थर की लकीर जैसा कुछ नहीं होता, ऐसा उन्हें जानने वाले कहते रहे हैं, लेकिन थोड़ी देर को उनकी कही इस बात को पत्थर की लकीर मान लिया जाए कि वह कभी बीजेपी में शामिल नहीं होंगे तो भी उनके जैसा बड़ा नेता बीजेपी में गए बिना भी उसे निर्णायक फायदा पहुंचाने के हजार रास्ते निकाल सकता है। यह बात भी है कि मुंबई में महाराष्ट्र विधानसभा और केंद्र में संसद का एक पूरा सत्र संपन्न हो जाने के बाद भी यह स्पष्ट नहीं हुआ कि ठउढ के कितने विधायक व सांसद अजित पवार के साथ हैं और कितने शरद पवार के साथ। इसीलिए विपक्षी खेमे में बेचैनी है और वह चाहता है कि समय रहते यह बात शीशे की तरह साफ हो जाए कि शरद पवार का मन किस तरफ है। लेकिन ऐसा लगता है कि इस पर निर्णायक चर्चा अब इंडिया गठबंधन की मुंबई में प्रस्तावित बैठक में ही होगी और वहीं यह भी साफ होगा कि शरद पवार के कदम आखिरकार किस तरफ बढ़ने वाले हैं।

प्रतिभा को अवसर

किसी भी बच्चे के भीतर रचनात्मकता की असीम संभावनाएं होती हैं। अगर उसे एक सीमित ढांचे के भीतर समेट दिया जाता है तो उसकी प्रतिभा भी उसी दायरे में सिमट कर रह जाती है। इसलिए बचपन और किशोरावस्था में ही रुचियों की पहचान करके अगर किसी बच्चे को उसकी रुचि के क्षेत्र में जानने-समझने और कुछ करने का अवसर दिया जाए तो पूरी संभावना है कि भारी तादाद में बच्चों की प्रतिभा सामने आएगी और उसका लाभ देश और समाज को मिलेगा। हालांकि शिक्षा व्यवस्था में यह एक बुनियादी पक्ष होना चाहिए और कुछ हद तक इसका खयाल रखा भी गया है, मगर अब सरकार औपचारिक रूप से इस दिशा में एक ठोस पहल करने जा रही है। गौरतलब है कि शिक्षा मंत्रालय स्कूली विद्यार्थियों को वैज्ञानिक पद्धतियों और प्रयोगों से परिचित करा कर उन्हें अनुसंधान और खोज का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से प्रयास यानी प्रमोशन आफ रिसर्च एटीट्यूड इन यंग एंड एन्सपायरिंग स्टूडेंट्स योजना शुरू करने जा रहा है। इस योजना का मकसद युवा विद्यार्थियों के बीच वैज्ञानिक चिंतन उत्पन्न करना और साक्ष्य आधारित विज्ञान प्रक्रिया, नवीनता और रचनात्मकता का विकास करना है। यह एक तथ्य है कि बच्चों और किशोरों में खोजने और सीखने की प्रक्रिया काफी तीक्ष्ण होती है। खासकर अगर पढ़ाई-लिखाई के दौरान उनकी रुचि के विषय को निर्बाध तरीके से विकसित होने दिया जाए तो उनकी रचनात्मकता अक्सर कुछ नया खोज लाती है। लेकिन हमारे यहां आमतौर पर निर्धारित पाठ्यक्रम ज्यादातर बच्चों के लिए शिक्षण के ढांचे का एक अनिवार्य हिस्सा होता है और उसी के मुताबिक उन्हें अपनी पढ़ाई पूरी करनी होती है। इसमें कई वैसे बच्चों की प्रतिभा दबी रह जाती है, जिनकी अभिरुचियों को सही दिशा और उसे समझने का अवसर नहीं मिल पाता है। बल्कि इसके उलट ऐसे मामले आम हैं, जिनमें स्कूली शिक्षा के दौरान कई बार अभिभावक बच्चों को ऐसे विषयों की पढ़ाई में झोंक देते हैं, जिसे उन्हें जबरन पढ़ना पड़ता है। यह मान लिया जाता है कि निर्धारित पाठ्यक्रम और अभिभावकों की इच्छा के मुताबिक ही बच्चों की शिक्षा-दीक्षा होनी चाहिए, उन्हें अपनी पसंद के विषय में कुछ नया समझने और सीखने के प्रति हतोत्साहित किया जाता है। यह एक ऐसी स्थिति होती है, जिसकी वजह से स्कूली शिक्षा के दौरान बहुत सारे बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा का एक तरह से दमन हो जाता है। जो बच्चे ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में नई खोज के वाहक बन सकते हैं, वे एक बने-बनाए रास्ते के यात्री बने रह जाते हैं।

इतिहास खुद को दोहरा रहा है, क्या होगा अंजाम

ANALYSIS

✍ प्रणय कोटस्थाने

इस लेख का मकसद पूरी औद्योगिक नीति की समीक्षा करना नहीं, घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए बार-बार ट्रेड पॉलिसी का दुरुपयोग करने की प्रवृत्ति पर नजर डालना है। सरकार अपनी काफी ऊर्जा यह साबित करने में लगा रही है कि कैसे कंप्यूटर लाइसेंसिंग इंपोर्ट पॉलिसी को लाइसेंस राज नहीं कहा जा सकता। इसमें शक नहीं कि लाइसेंस राज के दौरान आयात के साथ-साथ मैन्युफैक्चरिंग, इनपुट्स और आउटपुट्स पर भी जबर्दस्त नियंत्रण रहता था। यह भी सच है कि पिछले आठ वर्षों से दिख रही संरक्षणवादी प्रवृत्ति अभी 1991 के पहले के दौर वाली ऊंचाई पर नहीं पहुंची है। लेकिन उसकी वजह यह है कि आज की घरेलू इंडस्ट्री इनपुट्स के लिए ग्लोबल सप्लाई चेन पर निर्भर करती है। यानी सरकार चाहे भी तो 1991 से पहले वाले दौर के सभी उपाय नहीं आजमा सकती। सच यह भी है कि सरकार में बैठे बहुत से लोग आज भी यही समझते हैं कि आयात एक बुराई है। यह घरेलू उत्पादन को नुकसान पहुंचाता है। लाइसेंस-कोटा-राज जब चरम पर था, तब इस बात को लेकर लगभग सर्वसम्मति हुआ करती थी कि विदेशी मुद्रा बचाने का एकमात्र उपाय है आयात कम करना। यह विचार कि आयात वैल्यू ऐडिशन के बाद ज्यादा निर्यात का कारण बन सकता हैं और इस तरह विदेशी मुद्रा का रिजर्व भी बढ़ा सकता है।

सत्तर और अस्सी के दशक में एक बड़े देश ने मार्केट रिजर्व पॉलिसी अपनाई। मकसद था आयात पर अंकुश लगाकर नवजात कंप्यूटर इंडस्ट्री की रक्षा करना और इस तरह उसे कॉम्पिटिटिव बनने का मौका मुहैया कराना। लेकिन दो दशक बाद भी देश को कंप्यूटर के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेजर प्लेयर बनाने का मकसद पूरा नहीं हो पाया। तस्कर जरूर फले-फूले क्योंकि उन्होंने व्यापारिक बाधाओं का तोड़ निकाल लिया। आयात पर रोक से लाभान्वित होने वाले लोकल प्लेयर्स इस कदर कमजोर रहे कि नब्बे के दशक में वैश्वीकरण की पहली बयार में ही उड़ गए। वह देश भारत नहीं, ब्राजील है। भारत काफी पहले सबक सीख चुका था। 1981 तक भारत ने भी कंप्यूटर आयात पर अंकुश लगा रखा था। लेकिन प्रफेसर राजारमण कमिटी की कंप्यूटर आयात को सॉफ्टवेयर निर्यात से संतुलित करने की सिफारिश ने विभिन्न क्षेत्रों में कंप्यूटर के प्रसार की राह खोल दी। इस लिहाज से, हाल में पीसीज, लैपटॉप्स और टैबलेट्स के क्षेत्र में लाइसेंसिंग की पॉलिसी अपनाना दरअसल इस क्षेत्र में पिछले चार दशकों से बनी सर्वसम्मति को पलटना है। प्रॉडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम कंप्यूटर के मामले में प्रॉडक्शन बाइ लाइसेंसिंग इंपोर्ट्स स्कीम में बदल गई है। इस लेख का मकसद पूरी औद्योगिक नीति की समीक्षा करना नहीं, घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए बार-बार ट्रेड पॉलिसी का दुरुपयोग करने की प्रवृत्ति पर नजर डालना है। सरकार अपनी काफी ऊर्जा यह साबित करने में लगा रही है कि कैसे कंप्यूटर लाइसेंसिंग इंपोर्ट पॉलिसी को लाइसेंस राज नहीं कहा जा सकता। इसमें शक नहीं

कि लाइसेंस राज के दौरान आयात के साथ-साथ मैन्युफैक्चरिंग, इनपुट्स और आउटपुट्स पर भी जबर्दस्त नियंत्रण रहता था। यह भी सच है कि पिछले आठ वर्षों से दिख रही संरक्षणवादी प्रवृत्ति अभी 1991 के पहले के दौर वाली ऊंचाई पर नहीं पहुंची है। लेकिन उसकी वजह यह है कि आज की घरेलू इंडस्ट्री इनपुट्स के लिए ग्लोबल सप्लाई चेन पर निर्भर करती है। यानी सरकार चाहे भी तो 1991 से पहले वाले दौर के सभी उपाय नहीं आजमा सकती।

सच यह भी है कि सरकार में बैठे बहुत से लोग आज भी यही समझते हैं कि आयात एक बुराई है। यह घरेलू उत्पादन को नुकसान पहुंचाता है। लाइसेंस-कोटा-राज जब चरम पर था, तब इस बात को लेकर लगभग सर्वसम्मति हुआ करती थी कि विदेशी मुद्रा बचाने का एकमात्र उपाय है आयात कम करना। यह विचार कि आयात वैल्यू ऐडिशन के बाद ज्यादा निर्यात का कारण बन सकता हैं और इस तरह विदेशी मुद्रा का रिजर्व भी बढ़ा सकता है, इतना रैडिकल था कि कोई उसे आजमाने का रिस्क लेने को तैयार नहीं था। बहरहाल, आज भी हम आयात पर तरह-तरह से रोक लगाने की उसी पॉलिसी का सहारा ले रहे हैं। यह पॉलिसी तब भी नाकाम रही थी, आज भी नाकाम होगी। यह लाइसेंस-टैरिफ-राज नुकसानदेह भी साबित होने वाला है और निष्प्रभावी भी। नुकसानदेह इसलिए क्योंकि सस्ते लैपटॉप सर्विस सेक्टर बिजनेस के लिए अनिवार्य हैं। ध्यान रहे, सर्विस सेक्टर बिजनेस में वह आईटी सेक्टर भी आता है जिससे देश को अच्छा खासा निर्यात मिलता है। लाइसेंसिंग शासन इस सेक्टर की प्रॉफिटेबिलिटी को सीधे तौर पर नुकसान पहुंचाएगा। समाज के कम आमदनी वाले तबकों और छोटी कंपनियों को सस्ते आयात से काफी फायदा होता है। रियायतों के बावजूद लाइसेंस राज टकराव बढ़ाता है, कस्टम्स एंट्री पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है और कुल मिलाकर जनकल्याण में कमी लाता है। यह पॉलिसी प्रभावी भी नहीं साबित होगी। इशकी कई वजहें हैं। संरक्षणवाद दरअसल औसत दर्जे के लोकल प्रॉडक्शन की ओर ले जाता है। इंटरनैशनल कॉम्पिटिशन न होने से लोकल कंपनियां अपना मार्केट शेयर जरूर बढ़ा लेती हैं लेकिन उनके सामने अपनी क्वॉलिटी सुधारने पर ध्यान देने या ग्लोबल लेवल पर कॉम्पीट करने की कोई ठोस वजह नहीं होती। इसके अलावा मौजूदा हालात में देखा जाए तो इसका नतीजा यही हो सकता है कि कि चीन से सस्ता आयात फिनिश्ड गुड्स के बजाय सब-कॉम्पोनेंट्स के रूप में होगा। इसे रोकने के लिए सरकार को या तो ग्रेडेड इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाने का कार्यक्रम शुरू करना होगा या सब-कॉम्पोनेंट्स पर भी लाइसेंसिंग पॉलिसी लानी होगी। मोबाइल उत्पादन का भारत का अपना हालिया अनुभव भी इससे मेल नहीं खाता। ढछक इंसेंटिव का एक बड़ा हिस्सा इंपोर्ट ड्यूटी चुकाने पर खर्च किया जा रहा है। ज्यादातर मैन्युफैक्चरर्स एक्सपोर्ट मार्केट में कॉम्पीट करने की स्थिति में नहीं हैं क्योंकि जो पार्ट्स वे आयात करते हैं उनकी लागत बढ़ जाती है। यह पॉलिसी एक बुनियादी सवाल पूछने को मजबूर करती है- नाकाम संरक्षणवादी नीतियों को नई जिंदगी क्यों दे दी गई है? इसके पीछे विशेषज्ञों, मसलन अर्थशास्त्रियों के प्रति बेरुखी की भूमिका हो सकती है जिनकी आलोचनाओं को पूर्वाग्रह बताकर खारिज किया जाने लगा है। दूसरी बात यह कि चीन की बढ़ती आक्रामकता के मद्देनजर एक-एक पूरे सेक्टर पर सामरिक का ठप्पा लगाया जाने लगा है। इस तरह एक समूचे सेक्टर को सामरिक करार देना हास्यास्पद है क्योंकि कभी भी कंप्यूटर के सभी पार्ट्स का कॉम्पिटिटिव लागत पर उत्पादन करना संभव नहीं होता। यह हमेशा बेहतर है कि डिफेंस जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के लिए बारीकी से गौर करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि छोटे-छोटे खास कल-पुर्जे भरोसेमंद स्रोतों से आएं। अगर एक बार यह सामरिक ठप्पा उदारता से दिया जाने लगे तो नाकाम हो चुकीं तमाम नीतियां नई जिंदगी पाने लगती हैं। और चूंकि अर्थशास्त्री निर्णायक भूमिका में नहीं होते, इसलिए राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा आयात पर निर्भरता कम हो जैसे भावनात्मक मुहावरे जरूरत से ज्यादा अहमियत पाने लगते हैं। तय है कि हम अतीत की गलतियां तब तक दोहराते रहेंगे जब तक यह नहीं समझते कि आर्थिक राष्ट्रवाद अच्छे नीतिगत फैसले लेने की योग्यता का सबूत नहीं होता। समझना होगा कि ज्यादातर हाइ-टेक डोमेन में आयात के बगैर निर्यात संभव नहीं होता।

लेखक तक्षशिला इंस्टिट्यूशन में डेप्युटी डायरेक्टर हैं।

अंग्रेजी के ज्ञान के बगैर आरक्षण है बेकार

> एक अरब 25 करोड़ की आबादी वाले देश इंडिया में 29 राज्य और सात केंद्रशासित प्रदेश हैं, पर इंडिया का संघीय ढांचा बरकरार है। यह एक मजबूत राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ता जा रहा है। जितना बहुभाषी, बहुधार्मिक, बहुजातीय इंडिया है, उतना दुनिया का कोई भी देश नहीं। अमेरिका में जरूर 50 राज्य हैं, पर सभी अंग्रेजीभाषी हैं। इंडिया की एकता और अखंडता को हमारे संविधान ने बचा कर रखा है। अब इस बात पर कोई विवाद नहीं है कि हमारा संविधान विश्व में श्रेष्ठतम है। भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहेब डॉ. आंबेडकर की सबसे बड़ी चिंता यही थी कि इंडिया की एकता, अखंडता किस तरह सदैव बनी रहे। इसका उत्तर उन्हें मिला फेडरलिज्म में।

क्या होता इंडिया का आंबेडकर के बगैर? इसको समझने के लिए पाकिस्तान की कहानी देख लें। पूर्वी पाकिस्तान यानी वर्तमान बांग्लादेश पाकिस्तान का एक प्रांत था। पर पाकिस्तान के संविधान में वह गहराई नहीं थी। उसने अपना एक हिस्सा वर्ष 1971 में खो दिया। ध्यान रहे, पाकिस्तान का निर्माण ही धर्म के आधार पर हुआ था, पर मुस्लिम बहुल पूर्वी पाकिस्तान विद्रोह कर अलग देश बन गया। इसके बरक्स अपने देश की कहानी देखें। एक अरब 25 करोड़ की आबादी वाले देश इंडिया में 29 राज्य और सात केंद्रशासित प्रदेश हैं, पर इंडिया का संघीय ढांचा बरकरार है। यह एक मजबूत राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ता जा रहा है। जितना बहुभाषी, बहुधार्मिक, बहुजातीय इंडिया है, उतना दुनिया का कोई भी देश नहीं। अमेरिका में जरूर 50 राज्य हैं, पर सभी अंग्रेजीभाषी हैं। इंडिया की एकता और अखंडता को हमारे संविधान ने बचा कर रखा है। अब इस बात पर कोई विवाद नहीं है कि हमारा संविधान विश्व में श्रेष्ठतम है। भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहेब डॉ. आंबेडकर की सबसे बड़ी चिंता यही थी कि इंडिया की एकता, अखंडता किस तरह सदैव बनी रहे। इसका उत्तर उन्हें मिला फेडरलिज्म में। एक ऐसा संघीय ढांचा, जिसमें छोटे से छोटा राज्य भी अपने को सहज रख सके, बड़े राज्यों से डरे नहीं। बाबा साहेब इस कार्य में सफल रहे। इंडिया को श्रेष्ठतम संविधान देने के लिए डॉ. आंबेडकर ने विश्व के कुछ श्रेष्ठ संविधानों का अध्ययन किया, स्वयं अपनी विद्वता का इस्तेमाल किया और अंततः कभी भी फेल न होने वाला संविधान बना डाला। कल्पना करें, क्या होता यदि डॉ. आंबेडकर अंग्रेजी भाषा न जानते! उच्च शिक्षा के लिए डॉ. आंबेडकर जुलाई 1913 में न्यू यॉर्क स्थित कोलंबिया विश्वविद्यालय पहुंचे। बहुत कम समय में ही उन्होंने अपने सहपाठियों और प्रफेसरों को प्रभावित करना शुरू कर दिया। आंबेडकर के प्रफेसर्स, खासकर प्रफेसर जॉन डिवे, जेम्स शॉटवेल और सेलिमेन उनकी इंग्लिश से हैरान थे कि एक गैर अंग्रेजीभाषी देश के नागरिक को इतनी अच्छी इंग्लिश कैसे आती है। जाहिर है, आंबेडकर की विजय यात्रा में इंग्लिश पर मास्टरी एक जरूरी कदम था। इसीलिए डॉ. आंबेडकर ने इंग्लिश को शेरनी का दूध बताया तथा दलितों से इंग्लिश अपनाने का आह्वान किया। इंग्लिश को नैशनल लिंक लैंग्वेज बनाने की मांग करने वाले पहले राष्ट्रीय नेता आंबेडकर ही थे। भारत की एकता, अखंडता को बनाए रखने में संविधान के बाद सबसे बड़ी भूमिका इंग्लिश की और फिर इंग्लिश बोलने वालों की है। इंग्लिश का असर दलित समाज पर भी साफ दिखता है। किसी भी अमेरिकी यूनिवर्सिटी में जाइए, वहां दलित छात्र मिल ही जाते हैं। ढेर सारे दलित अधिकारी जीवन भर की कमाई का काफी बड़ा हिस्सा खर्च कर अपने बच्चों की पढ़ाई विदेशों में करा रहे हैं। वे आरक्षण का त्याग कर रहे हैं और ओपन कैटिगरी में प्रतियोगिता के जरिए अपनी जगह बना रहे हैं। जाहिर है, अमेरिका में पढ़ाई करने के लिए पैसों से भी ज्यादा जरूरी है इंग्लिश भाषा का ज्ञान होना। पर क्या जाट, गुर्जर, पटेल और कापू जैसी जातियों में भी इंग्लिश को वही स्थान प्राप्त है जो इसे दलितों के बीच हासिल है? उपर्युक्त चार जातियों का जिक्र इसलिए किया जा रहा है क्योंकि ये आरक्षण की मांग कर रहे हैं। उत्तर भारत के जाट और गुर्जर, गुजरात के पटेल और आंध्र प्रदेश के कापू मूलतः शूद्र हैं। अतः जाट, गुर्जर, पटेल और कापू भी ओबीसी में आते हैं, क्योंकि इनकी सामाजिक चेतना और व्यवसाय ओबीसी जातियों की ही तरह है। कभी इनका भी सामाजिक शोषण हुआ है, हिंदू समाज की शोषण-श्रृंखला में ये भी निचले पायदान पर आते हैं। लेकिन इंग्लिश को लेकर इन चारों जातियों और समूचे ओबीसी समाज का रुख हैरान करने वाला है। ओबीसी समाज के सबसे बड़े नेता राम मनोहर लोहिया हुआ करते थे। उन्होंने उत्तर भारत में एक बहुत बड़ा आंदोलन चलाया था जिसे ह्यअंग्रेजी हटाओह्ण का नाम दिया गया था। साठ के दशक में इस आंदोलन ने उत्तर भारत को काफी प्रभावित किया। इसके कारण ओबीसी परिवारों में इंग्लिश के प्रति अनादर पैदा हुआ। इसका नुकसान यह समाज आज तक भुगत रहा है। ग्लोबलाइजेशन यानी भूमंडलीकरण एक सच्चाई है। दुनिया का कोई भी देश इससे अलग नहीं रह सकता। भूमंडलीकरण की एक भाषा है, जिसे इंग्लिश कहते हैं। चीन, जापान, फ्रांस और जर्मनी जैसे महान देशों में इंग्लिश जानने की होड़ मची है। व्यापार, मैन्यूफैक्चरिंग, शोध और शासन-प्रशासन की भाषा इंग्लिश ही है। एक अध्ययन आधारित निष्कर्ष यह है कि वर्ष 2050 तक इंग्लिश न जानने वाला व्यक्ति गूंगा-बहरा जैसा बन जाएगा। ऐसी स्थिति में इंग्लिश जाने बगैर जाट या समूचा ओबीसी समाज आरक्षण का क्या उपयोग कर पाएगा? एक बेहतर इंडिया के लिए यह जरूरी है कि सारे इंडियन इंग्लिश पढ़ने-पढ़ाने का व्रत लें। खासकर आरक्षण का लाभ ले रही सभी जातियों को वैसे ही अंग्रेजी अपनानी चाहिए जैसे दलित जातियां अपना रही हैं। जो जातियां दलितों की तरह अंग्रेजी को नहीं अपना रही हैं, उन्हें आरक्षण छोड़ देना चाहिए।

एक नेता जी का कुर्सी प्रेम

किसी नेता का अपने परिवार और पत्नी से उतना संबंध नहीं होता जितना कि अपनी राजनीतिक कुर्सी से होता है। खासकर चुनाव के आसपास तो नेता जी की यह कुर्सियोचित बीमारी अपने चरम पर होती है। कहते हैं कि तब उनकी पत्नी भी उनके साथ रहने से कतराने लगती हैं, क्योंकि उस समय उनके राजनीतिक पतिदेव पर हर आधे घंटे के बाद चीख-चीखकर बोलने का दौरा पड़ने लगता है। उस समय उन्हें पूरा बेडरूम, बेडरूम की तरह नहीं दिखाई पड़ता, बल्कि राजनीतिक श्रोताओं से भरी हुई एक विशाल जनसभा की तरह दिखाई पड़ता है जिसे वह अपने लच्छेदार भाषणों से संबोधित और सम्मोहित कर रहे होते हैं। फिर कुछ देर बाद खड़ंजा और नालियों का जिक्र ऐसे करते हैं कि जैसे उनके सुंदरीकरण के लिए ही वह राजनीति में आए हैं। इतना ही नहीं, अगर उनके चुनावी क्षेत्र में इस बीच कोई व्यक्ति गुजर जाता है तो वह उसके घर जाकर उसके घरवालों से भी कहीं ज्यादा अपनी छाती पीट-पीटकर ऐसे रोते हैं कि जैसे उनके किसी अपने की मृत्यु हो गई हो। दरअसल वह केवल चुनाव में अपने एक मतदाता के कम हो जाने के गम में इस तरह से रोते हैं, लेकिन जनता उनके इस तरह से रोने के रहस्य को नहीं जान पाती और उनके इस घड़ियाली आंसू की चपेट में आ जाती है। उनकी पत्नी की मानें तो 'नेता जी शादी से पहले एक सामान्य पुरुष थे। विवाह के कुछ दिन बाद तक भी सारी गिड़गिड़ाहट और डर-भय उनमें भी अन्य पतियों की तरह थे, लेकिन वे सब अचानक से गायब हो गए। न जाने उनके मस्तक की कौन-सी भाग्य रेखा का भौगोलिक एक्सीडेंट हुआ कि वह देखते ही देखते एक जनप्रिय नेता बन गए। उनके नेता बनते ही हमारी और उनकी मोहब्बत की पूरी गृहस्थी रेगिस्तान की तरह बनकर रह गई। कभी-कभी तो उनका मेरे प्रति व्यवहार भी अब राजनीतिक लगने लगा है। यहां तक कि जब चुनाव काफी नजदीक आ जाता है तो उनका राजनीतिक माइलेज इतना अधिक बढ़ जाता है कि कुछ पूछिए मत! उस समय उनकी मुखमुद्रा को भांप या पढ़ पाना बड़े से बड़े ज्योतिष के वश की भी बात नहीं होती।' कहते हैं कि उन्होंने अपने बेडरूम में एक पुरानी कुर्सी को इतने प्यार से रख रखा है कि उतने प्यार से कभी अपनी पत्नी तक को नहीं रखा होगा। दरअसल वह अपनी उस कुर्सी को अपने राजनीतिक करियर के लिए काफी लकी मानते हैं। जब कभी चुनाव प्रचार में जाना होता है तो वह ब्रह्ममुहूर्त में बड़ी श्रद्धा और भक्ति के साथ उठते हैं। बाथरूम में ऐसे स्नान करते हैं कि जैसे कोई महा प्रकांड व्यक्ति प्रयागराज के संगम में स्नान कर रहा हो। उसमें से निकलने के बाद वह अपनी कुर्सी के सामने वास्तुशास्त्र के हिसाब से आलथी-पालथी मारकर बैठ जाते हैं। फिर उसके चारों पायों की तरफ अगरबत्ती सुलगाते हैं। तदुपरांत अपने एक चौबीस कैरेट के घनघोर समर्थक द्वारा उस कुर्सी के लिए लिखे गए ₹कुर्सी सतसई₹ का लगभग सवा घंटे तक राग राजनीति में गाकर ऐसे पाठ करते हैं जैसे यह इस देश के पहले और आखिरी भजन सम्राट हों। कुर्सी सतसई का पाठ करने के बाद उसकी परिक्रमा करते हैं। फिर उसे साष्टांग प्रणाम कर अपने विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के लिए निकल पड़ते हैं। रास्ते में जगह-जगह रुकते हैं और विकास एवं झूठे वादों की गंगा बहाने की बातें तथा वादे करते हैं। उनकी पत्नी अपने विवाह के पुराने दिनों को याद करते हुए कहती हैं कि 'एक समय वह भी था जब वे तमाम जिम्मेदारियों के बोझ तले किसी गधे की तरह दबे रहते थे। अपना मुंह किसी बिगड़ी हुई दीवार घड़ी की तरह लटकाए हुए घर से निकलते थे। कुछ देर बाद अस्त-व्यस्त धूल-धूसरित मुंह लिए हुए घर लौटते थे, लेकिन अब सब कुछ बदल गया है।

Social Media Corner

सच के हक में...

सारा लहू बदन का जमी को पिला दिया। हम पर वतन का कर्जा था हमने चुका दिया। भारत के आधुनिक युग के रचियता हमारे प्रेरणा स्त्रोत, जननेता भारत रत्न राजीव गांधी जी की जयंती पर शत-शत नमन।

(कृषि मंत्री बादल पत्रलेख के ट्विटर अकाउंट से)

देश के पूर्व प्रधानमंत्री और महान नेता भारत रत्न स्व राजीव गांधी जी की जयंती पर शत-शत नमन।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

जब राज्य का राजा घटिया कर्म में लिप्त रहे। जिसके दरबारी और सलाहकार जमीन, पत्थर, कोयला और बालू माफिया हों, जिसके अफसर लूट में राजा का साझीदार हों उस राज्य के इससे बेहतर हालात नहीं हो सकते। यह राजा साहब के खुद के जिले का हाल है जहाँ स्कूल में पढ़ रही बेटियों को ऐसे दिल दहला देने वाले नारकीय हालात का सामना करना पड़ता है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

I WANT TO SAY...

जो कार्रवाई पुलिस स्वतः त्वरित गति से करनी चाहिए उसके लिए भी दिन और महीने नहीं बल्कि सालों इंतजार करना पड़ता है। कई बार तो ऐसा देखा गया है कि न्यायालय सख्ती दिखाए तो सब हो जाता है। सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के पिस्का मोड़ के समीप मधुकम निवासी जमीन कारोबारी कमल भूषण की हत्या के आरोपी छोटू कुजूर उर्फ आशीष कुजूर को पुलिस ने गुमला के भरनो थाना क्षेत्र के जुरा गांव से गिरफ्तार कर लिया। उसकी गिरफ्तारी रविवार को दोपहर करीब 2.50 बजे के आसपास हुई। छोटू कुजूर पिछले डेढ़ साल से फरार चल रहा था। पुलिस उस तक नहीं पहुंच पा रही थी। आखिरकार कोर्ट के आदेश पर रविवार को ही दोपहर 11.30 बजे पुलिस की टीम देवी मंडप रोड के हेसल स्थित उसके घर ढोल बाजे के साथ कुर्की जब्ती करने पहुंची थी। रोचक यह है कि कुर्की की कार्रवाई चलने के दौरान ही पुलिस को यह जानकारी मिल गई कि छोटू कुजूर गुमला में छिपा हुआ है। सुखदेवनगर थाना प्रभारी विनोद कुमार के नेतृत्व में एक टीम गुमला के भरनो थाना क्षेत्र जुरा गांव पहुंच गई। वहां उसे पकड़ लिया गया। इधर, उसकी गिरफ्तारी होते ही कुर्की की कार्रवाई कर रही पुलिस टीम को वापस बुला लिया गया। सुखदेवनगर थाना में रखकर छोटू कुजूर से पूछताछ की जा रही है। जिस प्रकार से कुर्की जब्ती की कार्रवाई शुरू होते ही छोटू कुजूर गिरफ्तार हो गया, उसके बाद यह भी चर्चा चल पड़ी है कि उसने खुद नजदीकी थाना में सरेंडर कर दिया। हालांकि, वरीय पुलिस अधिकारी इसका खंडन कर रहे हैं। सच्चाई चाहे जो भी हो, सवाल तो कई उठ रहे हैं। आखिर इस तरह की चर्चाएं यूं ही नहीं होतीं। कुछ तो मामला है।

वसीम अकरम युवा नेता जेएमएम सह नायब सेक्रेटरी अंजुमन फलाहुल मुस्लिमीन, ऊपर कोनकी।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

BRIEF NEWS

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एनएच पर आठ मवेशियों की मौत, सड़क जाम

SUNDARGARH : जिले के कोइड़ा पुलिस सीमा के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 520 पर मवेशियों के झुंड अज्ञात वाहन की चपेट में आने से 8 मवेशियों की मौत पर तनाव हो गया है। गुस्साए लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग जाम कर दिया है। इससे क्योंझर-कोइदा सड़क पर वाहनों का परिचालन बाधित हो गया है। सड़क के दोनो किनारे वाहनों का लम्बा जाम लग गया।

दसवीं के छात्र की स्कूल में गिरने से मौत

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ जिला के राजगांगपुर के एक निजी स्कूल में आज एक दुर्लभ घटना घटी है। स्कूल में प्रार्थना और योग कक्षा की तैयारी के दौरान 10वीं कक्षा का एक छात्र बीमार महसूस करने के बाद गिर गया। स्कूल प्रशासन ने छात्र को अस्पताल पहुंचाया। उनकी हालत गंभीर होने के कारण उन्हें राउरकेला के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। लेकिन वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक छात्र मुहम्मद नौसाद श्री अरबिंदो स्कूल में 10वीं कक्षा में पढ़ता था। नौसाद की मौत से स्कूल समेत राजगांगपुर में शोक का माहौल है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता शुरू

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला योग एसोसिएशन के तत्वावधान में स्थानीय रुंगटा मैरिज हाउस में बालिका बालक वर्ग में विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों के बीच जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। इस प्रतियोगिता में आठ वर्ष की उम्र से लेकर 45 वर्ष के प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता के माध्यम से जिला स्तर पर चयनित एक से छह स्थान तक प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं पदक देकर पुरस्कृत किया जाएगा। संघ के सचिव कन्हैया लाल अग्रवाल ने बताया कि जिला स्तर पर चयनित एक से छह स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी दो और तीन सितंबर को राज्य ओपन प्रतियोगिता भाग लेंगे।

सड़क दुर्घटना में दो घायल, एक गंभीर

MANOHARPUR : छोटानागरा थाना क्षेत्र अंर्तगत मनोहरपुर छोटानागरा मुख्य मार्ग पर रविवार को एलपी ट्रक के चपेट में आने से बाईक सवार दो युवक घायल हो गए। दुर्घटना में बाईक चला रहे युवक को गंभीर चोट आई है। जबकी बाईक के पीछे बैठे को युवक हल्की चोट लगी है। यह घटना मनोहरपुर छोटानागरा मुख्य मार्ग स्थित टोंटोगढ़ा जंगल घाटी के समीप हुई। बाइक चालक युवक 24 वर्षीय सचिन महतो व 16 वर्षीय युवक शत्रुघन प्रसाद महतो दोनों ही राउरकेला शिवशंकर नगर ओड़िशा के रहने वाले है। दोनों बाईक से राउरकेला से मुर्गामहादेव मंदिर जा रहे थे। तभी विपरीत दिशा से एक आयशर एलपी ट्रक राउरकेला की ओर जा रहा था। उक्त एलपी ट्रक के चपेट में आने से बाईक सवार दोनों युवक घायल हो गए।

गायत्री परिवार ने बाल संस्कारशाला कार्यक्रम का किया आयोजन

MANOHARPUR : अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में रविवार को परम पूज्य गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी के मार्गदर्शन में बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु मनोहरपुर स्थित इंदिरा नगर में बाल संस्कार शाला आयोजित किया गया। इस संस्कार शाला का आयोजन गायत्री परिवार के सदस्य सुनील गोराई के घर पर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु ह्रबाल संस्कार शालाह्व के दूसरे सप्ताह का आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में आचार्य एवं प्रशिक्षक के रूप में गायत्री परिवार के युवा भाई द्वारिका प्रसाद दास ने अपना अहम योगदान दिया।

NIT में फर्जी एडमिट कार्ड के साथ चार परीक्षार्थी गिरफ्तार

अलग नामों से परीक्षा देते हुए पकड़े गये दिल्ली व हरियाणा से जुड़े अभ्यर्थी

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला एनआईटी में चार फर्जी परीक्षार्थी एडमिट कार्ड देते हुए पकड़े गए है। सेक्टर 3 थाना पुलिस ने इन्हें गिरफ्तार कर केस दर्ज किया और कोर्ट में पेश किया। कनिष्ठ सहायकों की भर्ती के लिए एनआईटी द्वारा परीक्षा आयोजित की गई थी। इन चारों को अलग-अलग नामों से नकल करते हुए परीक्षा देते हुए पकड़ा गया था। फर्जी अभ्यर्थी दिल्ली और हरियाणा के बताए जा रहे हैं। कुछ

गिरफ्तार परीक्षार्थी व जानकारी देते पुलिस अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

अन्य परीक्षार्थी ब्लूटूथ का उपयोग करके परीक्षा देते पाए गए। एनआईटी वर्तमान में असिस्टेंट सेक्रेटरी, जूनियर असिस्टेंट आदि पदों के लिए परीक्षा आयोजित कर रहा है। गिरफ्तार युवक फर्जी एडमिट कार्ड दिखाकर परीक्षा हॉल में दाखिल हुआ था, जब पर्यवेक्षक ने प्रवेश पत्र की जांच की तो उन्हें कुछ संदेह हुआ। आगे पूछताछ करने पर वे फर्जी परीक्षार्थी निकले। एनआईटी रजिस्ट्रार ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पुलिस ने जांच किया और चार फर्जी परीक्षार्थियों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से ब्लूटूथ, कैमरा, मोबाइल फोन आदि बरामद किया गया है।

महिला कॉलेज में अव्यवस्था का आलम प्रभारी प्राचार्या पर लगा लापरवाही का आरोप

PHOTON NEWS CHAIBASA : चाईबासा स्थित महिला कॉलेज में इन दिनों स्थिति बत से बत्तर हो चुकी है। कॉलेज में अव्यवस्था बना हुआ है। यहां के परीक्षार्थी काफी परेशान हो चुके है। शौचालय अलग नहीं होने की वजह से मजबूरन लड़कों को लड़कियों के शौचालय का इस्तेमाल करना पड़ता है। छात्राओं का आरोप है कि प्रभारी प्राचार्या डॉ प्रीतिबला सिन्हा की लापरवाही से इस तरह की स्थिति उत्पन्न हुई है। विश्वविद्यालय के पास अलग से कॉलेज में शौचालय का निर्माण हो इसको लेकर प्रस्ताव तक नहीं भेजा है। हालांकि प्रभारी प्रिंसिपल डॉ प्रीतिबला ने कहा कि लड़कों के शौचालय को लेकर विवि के पास प्रस्ताव भेजा गया है। फिलहाल लड़कियों के शौचालय का ही उपयोग लड़कों द्वारा किया जा रहा है। इधर, परीक्षा देने पहुंचे परीक्षार्थियों के मुताबिक लड़कियों के शैचालय का उपयोग करना सही नहीं है। कॉलेज को इसकी व्यवस्था करनी चाहिए।

झड़ियों से भरा कॉलेज का रास्ता : महिला कॉलेज के प्रवेश द्वार के बाद लोकेशन बोर्ड नहीं लगा है, जिस कारण विभिन्न कॉलेजों से परीक्षा देने पहुंचे नए विद्यार्थियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इससे कौन सा कमरा किस ओर है, इसकी जानकारी नहीं मिल पाती है। कॉलेज प्रशासन को इसे गंभीरता से लेते हुए लोकेशन बोर्ड लगाना चाहिए। वहीं, महिला कॉलेज इन दिनों झड़ियों से भर गया है। नियमित सफाई नहीं होने के कारण यहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को काफी परेशानी होती है। सफाई को लेकर कई बार प्रभारी प्राचार्या को कहा गया लेकिन उन्होंने इस पर गंभीरता नहीं दिखाई। मालूम हो कि स्वतंत्रता दिवस को लेकर सिर्फ कुछ हिस्सा को साफ कर दिया गया था। लेकिन अधिकतर हिस्सा अब भी झड़ियों से भरा हुआ है। पद्मवती महिला छात्रावास, बीएड भवन की ओर जाने वाला रास्ता झड़ियों से भरा है।

एनआईटी के छात्र की अक्षय शिला झरने में डूबने से मौत

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला के पास अक्षय शिला झरने में एनआईटी के एक छात्र के डूबने से मौत हो गई है। मृतक छात्र बेगादी आदर्श शनिवार को आठ-दस छात्रों के साथ बिसरा थाना अंतर्गत अक्षय शिला झरना देखने गया था। दोपहर में किसी कारणवश वह पानी में गिर गया और लापता हो गया। उसके दोस्तों ने इसकी सूचना बिसरा पुलिस को दी।

बिसरा थाना पुलिस ने शाम को इलाके में खोजबीन की लेकिन

अक्षय शिला झरना। ● फोटोन न्यूज

लापता छात्र नहीं मिला। रविवार सुबह फायर टीम के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। कुछ देर बाद बेगादी आदर्श का शव झरने से बरामद हुआ। इस मामले में एनआईटी परिसर में शोक का माहौल छा गया है। बिसरा थाना पुलिस घटना की जांच कर रही है।

व्यासदेव हाई स्कूल में लायंस क्लब ने लगाया निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर, 130 विद्यार्थियों की जांच

PHOTON NEWS ROURKELA : लायंस क्लब ऑफ राउरकेला की ओर से वेदव्यास ग्रेटर के नेतृत्व में वेदव्यास के ब्यासदेव हाई स्कूल में विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित हुआ। इसका आयोजन प्राचार्य प्रफुल्ल चंद्र बारिक की अध्यक्षता में किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य अतिथि लायंस क्लब इंटरनेशनल के पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर राकेश कुमार सिंह ने उद्घाटन किया। इस दौरान राकेश कुमार ने कहा कि मानव

शिविर में छात्र की जांच करते डॉक्टर व उपस्थित अन्य। ● फोटोन न्यूज

शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग आंख है। इसकी उचित देखभाल करना और इसकी सुरक्षा करना हम सभी का पहला कर्तव्य है।

क्लब के अध्यक्ष प्रकाश चंद्र धल, दीपांजलि बेहरा, प्रसाद साहू सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित थे। साइट फॉर किड्स डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन बैशाली खरीयार एवं लायंस क्लब कोहिनूर के अध्यक्ष प्रगति गुप्ता ने आधुनिक कंप्यूटर उपकरण से 130 विद्यार्थियों की नेत्र जांच की। उनमें से 17 छात्रों की आंखों में असामान्यताएं पाई गईं, उन्हें लायंस आई हॉस्पिटल में इलाज के लिए रेफर किया गया। कार्यक्रम में सहायक शिक्षक सुशांत कुमार पाढ़ी, उमेश चंद्र दास, मंजूबाला त्रिपाठी, गिरीश चंद्र पंडा, शशधर साहू ने योगदान दिया।

राउरकेला फोटोग्राफर एसोसिएशन ने मनाया विश्व फोटोग्राफी दिवस, मधुमेह जांच शिविर का आयोजन

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला फोटोग्राफर एसोसिएशन ने रविवार को विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया। इस दौरान सबसे पहले छेंद पेट्रोल पंप पर मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर के माध्यम से सैकड़ों लोगों की मधुमेह की जांच की गई और आवश्यक सलाह दी गई। बाद में, बसंती कॉलोनी, दुगार्पुर पहाड़ियों की तलहटी में कल्पतरू आश्रम के बच्चों के साथ केक काटकर विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया

मधुमेह जांच करवाते लोग व उपस्थित एसोसिएशन के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

गया।

आरपीए के सदस्य ने कल्पतरू आश्रम के सभी बच्चों और कार्यक्रम में महासचिव दिलीप मोहंती, उपाध्यक्ष संतोष साहू व सुदर्शन जेना और कोषाध्यक्ष के उमाशंकर पात्र प्रमुख रूप से उपस्थित थे। सभी कार्यक्रमों का संयोजन उपाध्यक्ष प्रकाश महाकुल व संचालन संतोष ने किया। इसमें आरपीए के सैकड़ों सदस्यों ने भाग लिया। इसी तरह एसोसिएशन की राजगांगपुर शाखा की ओर से राजगांगपुर ग्रुप हेल्थ सेंटर के सदस्यों के साथ भोजन में शामिल हुए। आरपीए अध्यक्ष अतुल संघवी की अध्यक्षता में आयोजित मरीजों को फल वितरित किया गया। इसमें स्थानीय शाखा के कार्यकर्ता और सदस्य शामिल थे।

आरएसपी के 77 कर्मचारियों को दिया गया नेहरू विशिष्ट कर्मचारी पुरस्कार

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला इस्पात संयंत्र एवं बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अतनु भौमिक ने वर्ष 2022 के लिए कंपनी के 77 कर्मचारियों को प्रतिष्ठित नेहरू विशिष्ट कर्मचारी पुरस्कार प्रदान किया। पुरस्कार विजेताओं की पत्नियां भी पुरस्कार लेने के लिए उनके साथ मंच पर आईं थीं।

प्रत्येक विजेता को एक प्रमाण पत्र और 10 हजार रुपए पुरस्कार जो उनके सोडेक्सो कार्ड में एक उपहार स्वरुप जोड़ा गया है । उल्लेखनीय है कि, नेहरू विशिष्ट कर्मचारी पुरस्कार

कर्मचारी को प्रमाण-पत्र प्रदान करते अतनू भौमिक। ● फोटोन न्यूज

हर साल स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रदान किया जाता है। कर्मचारियों को कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्धता, दक्षता और कार्य संबंधित क्षेत्रों में निरंतर उत्कृष्टता के संदर्भ में संयंत्र के निष्?पादन और उत्पादन में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है।

जयंती पर पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को कांग्रेसियों ने किया याद

PHOTON NEWS CHAIBASA : भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर रविवार को कांग्रेस भवन, चाईबासा में कांग्रेसियों ने दो मिनट का मौन धारण कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उनके कार्यों और व्यक्तित्व को कोई याद किया। कांग्रेसियों ने कहा कि राजीव गांधी ने ही भारत को आधुनिकता की दौड़ में शामिल करवाने का कार्य किया। संचार क्रांति उन्हीं की देन है। देश के कम्प्यूटरीकरण और टेलीकम्युनिकेशन क्रांति तथा जवाहर नवोदय विद्यालय का सृजन का श्रेय भी राजीव गांधी को ही जाता है। स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं

राजीव गांधी को नमन करते कांग्रेसी। ● फोटोन न्यूज

में महिलाओं को 33% आरक्षण और मतदाता की उम्र 21 वर्ष से कम करके 18 वर्ष तक के युवाओं को चुनाव में वोट देने का अधिकार दिलवाने का कार्य भी पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने ही अपने कार्यकाल में किया था।

उन्होंने त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था लागू करके पंचायतों को मजबूत करने का काम किया। राजीव गांधी लोगों के दिलों में आज भी जिंदा है और हमेशा रहेंगे। राजीव गांधी का बलिदान राष्ट्र के लोगों के लिए सदैव अनुकरणीय रहेगा।

आसनतलिया में कुड़मी समाज का बैठक आयोजित, कई बिंदुओं पर की गयी चर्चा

PHOTON NEWS CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर की राखा आसनतलिया स्थित वीर शहीद निर्मल महतो कुड़मी भवन में रविवार को कुड़मी समाज का बैठक आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता जगदीश महतो ने की। बैठक के दौरान कई बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में कुड़मी समाज को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने व सरना धर्म को मान्यता देने को लेकर पुनः 20 सितंबर से झारखंड की गोमो, मुरी, घाघरा, नीमडीह स्टेशनों पर शुरू होने वाले रेल टेका, डहर छेंका कार्यक्रम को समर्थन देने व

बैठक में उपस्थित कुड़मी समाज के पदाधिकारी व समाज के लोग। ● फोटोन न्यूज

सफल बनाने का निर्णय लिया गया। मौके पर रेल टेका कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर सभी गांवों में जाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा, ताकि आंदोलन को सफल बनाया जा सके। बैठक के दौरान 8 अगस्त को हुए शहीद निर्मल महतो के शहादत दिवस पर संपन्न हुए रक्तदान शिविर व कार्यक्रम की समीक्षा भी कई गई।

करम परब धूमधाम से मनाने पर बनी सहमति : इस दौरान आसनतलिया में करम परब को धूमधाम के साथ मनाने पर भी सहमति बनी। तय किया गया कि आसनतलिया में करम परब के अवसर पर आसपास के गांव के लोग पारंपरिक वेशभूषा में सांस्कृतिक दलों के साथ बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में समाजसेवी बीके हिन्दवार, करण महतो, गणेश महतो समेत कुड़मी समाज से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

TONTO साप्ताहिक हाट की भूमि का हो रहा अतिक्रमण, एसडीओ से शिकायत

रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाई : SDO

PHOTON NEWS CHAIBASA : टोंटो प्रखंड के टोंटो पंचायत में लगने वाले साप्ताहिक हाट की भूमि का अतिक्रमण किया जा रहा है। इसे लेकर पंचायत के पूर्व मुखिया ने अनुमंडल पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इसके जरिए प्रत्येक शनिवार लगने वाले साप्ताहिक हाट बाजार की भूमि पर किए जा रहे अतिक्रमण की जांच की मांग की। उन्होंने कहा है कि यह बाजार ढाई एकड़ भूमि में फैला हुआ था पर अतिक्रमण के कारण इसका दायरा सिमटता जा रहा है। बाजार पर बाजार समिति का नियंत्रण नहीं होने के कारण अतिक्रमणकारी भी निश्चिंत होकर अतिक्रमण कर रहे हैं। बाजार आने वाले लोगों के लिए कोई भी सुविधा नहीं है। न तो पेयजल की कोई व्यस्था है और न ही शौचालय की। विश्राम के लिए भी कोई शेड नहीं है।

ज्ञापन में कहा गया है कि बाजार समिति के द्वारा पूर्व में एक बड़ा शेड का निर्माण कराया गया था। पर अब वह खंडहर में तब्दील होता जा रहा है। ग्राम पंचायत अधिनियम के तहत पंचायत को राजस्व

टोंटो पंचायत में लगने वाला साप्ताहिक हाट। ● फोटोन न्यूज

वसूली का अधिकार प्राप्त है परंतु कुछ दबंगों के द्वारा राजस्व वसूली की जाती है। यहां पर क्रेता और विक्रेता दुकानों की शेड में बैठकर मौसम की मार से अपना बचाव करते हैं। उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारी से इस अतिक्रमण पर रोक लगाने की मांग करते हुए इस साप्ताहिक हाट के अस्तित्व को बचाने की गुहार लगाई है।

इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी शशीन्द्र कुमार बड़ाईक ने बताया कि इस बाजार के अतिक्रमण की शिकायत मिली है। प्रखंड के अमीन को इसकी जांच करने का निर्देश दिया गया है। जांच के बाद जो रिपोर्ट आएगी उस आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के एजीएम में हंगामा, सदस्यों को निकाला बाहर

PHOTON NEWS CHAIBASA : चाईबासा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का 13वां वार्षिक आमसभा (एजीएम) रविवार को शहर के पिलाई हाल में शुरू हुआ। एजीएम में ट्रस्ट के संविधान को संशोधित किए जाने के मामले को लेकर अध्यक्ष मधुसूदन अग्रवाल और चैंबर के संस्थापक अनूप कुमार सुल्तानिया के बीच विवाद उत्पन्न हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि तू-तू, मैं-मैं पर दोनों पक्ष उतर आये। चैंबर के अध्यक्ष मधुसूदन अग्रवाल के खिलाफ जमकर नारेबाजी शुरू हो गई।

अग्रवाल ने संविधान के नियम के विरुद्ध नहीं जाने की अपील की, लेकिन संस्थापक अनूप कुमार सुल्तानिया ने कहा कि संविधान के विरुद्ध किसी तरह का काम नहीं हो रहा है। चैंबर के

हंगामा करते चैंबर के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

कुछ सदस्य अपनी मनमानी पर उतर आए हैं। संबोधन करने का समय निश्चित है, लेकिन इसके बावजूद भी संबोधन करने नहीं दिया जा रहा है।

हालांकि चैंबर के अध्यक्ष मधुसूदन ने समय आने पर सभी को संबोधन करने देने की बात माइक पर कही, इधर, चैंबर के कुछ सदस्यों को हंगामा करने पर बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। करीब आधा घंटा तक जोरदार हंगामा चलता रहा। इससे शहर के अन्य कारोबारियों के बीच कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। मालूम हो कि संस्थापक सदस्य अनूप कुमार सुल्तानिया के साथ विवाद होने पर चैंबर के कई सदस्यों ने नाराजगी दिखाई। साथ ही कहा कि इतने वरिष्ठ सदस्य होने के बावजूद उनके साथ बहस करना गलत है। इस पर चैंबर के अध्यक्ष को क्षमा मांगनी चाहिए।

जरीन खान को हुआ डेंगू

अभिनेत्री ज़रीन खान को डेंगू के गंभीर मामले के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विभिन्न फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए मशहूर अभिनेत्री वर्तमान में गहन चिकित्सा उपचार से गुजर रही हैं। डेंगू हाल के दिनों में चिंता का कारण बना हुआ है। ज़रीन खान इस बीमारी से बचाव के लिए निवारक उपाय करने के महत्व पर प्रकाश डालती हैं। संक्रमण तेजी से बढ़ा, जिससे उसे भारी बुखार और तीव्र शरीर दर्द सहित डेंगू से जुड़े सभी कष्टकारी लक्षणों का अनुभव हुआ। इसके अतिरिक्त ज़रीन खान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने अस्पताल के कमरे से एक तस्वीर साझा की, जिसमें उन्होंने अपने प्रशंसकों और अनुयायियों से डेंगू के प्रसार को रोकने के लिए सावधानियों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। मच्छर-मुक्त परिवेश बनाए रखने, मच्छर निरोधकों का उपयोग करने और सुरक्षात्मक कपड़े पहनने के महत्व पर जोर देता है। ज़रीन खान का अनुभव डेंगू की गंभीरता और इसके प्रसार से निपटने के लिए सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता की याद दिलाती है। एकता और सक्रिय उपायों के लिए उनका आह्वान हमारी और हमारे सोसाइटी की सुरक्षा में हम सभी की जिम्मेदारी को व्यक्त करता है।

महज 14 महीने तक चली ब्रिटनी स्पीयर्स और सैम असगरी की शादी

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड सिंगर ब्रिटनी स्पीयर्स एक बार फिर से चर्चा में हैं। पॉप स्टार के पति सैम असगरी ने शादी के महज 14 महीने बाद अपने मतभेदों को लेकर तलाक के लिए अर्जी दी है। रिपोर्ट के अनुसार सैम ने आरोप लगाया है कि ब्रिटनी स्पीयर्स ने उन्हें धोखा दिया। अलग हो चुके जोड़े ने अधिकांश विवरण गुप्त रखे हैं। लेकिन कथित तौर पर दोनों के बीच भारी झगड़ा हुआ जिसके बाद सैम ने तलाक के लिए फाइल करने का फैसला किया। टीएमजेड ने आगे बताया कि सैम, ब्रिटनी स्पीयर्स के वकील की फीस का भुगतान करने के लिए कह रहा है। लेकिन उनकी फाइलिंग में कहा गया है कि उन्होंने अभी तक संपत्ति, परिसंपत्तियों और दायित्वों का निर्धारण नहीं किया है। शादी के बाद से ही इस जोड़े के बीच कुछ गहरी परेशानी चल रही है। शादी के बाद सैम और ब्रिटनी में कुछ ठीक नहीं था। अक्सर दोनों में झगड़े होते थे, जिसमें चिल्लाना, अपमान करना और मारना भी शामिल है। सैम ने कहा कि 28 जुलाई, 2023 को तलाक हो चुका है। तलाक को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है। दोनों सितारों ने अब आगे साथ रहने से इनकार कर दिया है। इस जोड़े की पहली मुलाकात 2016 में गायक के स्लंबर पार्टी संगीत वीडियो के सेट पर हुई थी, जिसके बाद वे बिना किसी स्पॉटलाइट के अपनी केमिस्ट्री को आगे बढ़ाने लगे।

प्रियंका चोपड़ा ने रेस्टोरेंट सोना से बनाई दूरी 2 साल बाद तोड़ी पार्टनरशिप

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा ने दो साल पहले पार्टनरशिप में बिजनेस शुरू किया था। एक्ट्रेस ने न्यूयॉर्क में इंडियन रेस्टोरेंट खोला था, जिसका नाम उन्होंने सोना रखा था। वहीं, अब रिपोर्ट्स हैं कि प्रियंका ने इस रेस्टोरेंट से दूरी बना ली है। उन्होंने अपनी पार्टनरशिप तोड़ दी है। प्रियंका चोपड़ा ने दो साल पहले मनीष के गोयल के साथ पार्टनरशिप रेस्टोरेंट खोला था। मनीष ने मैगजीन से बातचीत में कहा रेस्टोरेंट की क्रिएटिविटी के पीछे प्रियंका थी। हम उनकी पार्टनरशिप और सपोर्ट के लिए आभारी हैं। प्रियंका अब हमारी क्रिएटिव पार्टनर नहीं हैं। वह सोना फैमिली का हिस्सा रहेंगी और हम अपने नए चैप्टर के लिए बहुत एक्साइटेड हैं। प्रियंका से जुड़े एक प्रतिनिधि ने कहा- सोना को जीवन में लाना उसके करियर में हमेशा एक गौरवपूर्ण और महत्वपूर्ण पल होगा। सोना से दूर जाने से उसे इन महत्वाकांक्षाओं को और अधिक वैश्विक स्तर पर विस्तारित करने की अनुमति मिलती है, और वह उन संभावनाओं के बारे में उत्साहित है जो इंतजार कर रही हैं। प्रियंका चोपड़ा के बिजनेस की बात करें तो उनका लग्जरी होमवेयर ब्रांड सोना होम है। उनका हेयरकलर ब्रांड और एक प्रोडक्शन कंपनी भी है। वहीं, काम की बात करें तो एक्ट्रेस को आखिरी बार वेब सीरीज सिटाडेल में देखा गया था। अब वह जल्द ही जोया अख्तर की जी ले जरा में कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट के साथ नजर आएंगी।

एपी ढिल्लों पर लगा तिरंगे का अपमान करने का आरोप

गानों के जरिए सुर्खियां बंटोरते रहते हैं। लेकिन इस बार एपी ढिल्लों अपने जूते की वजह से चर्चा में आ गए हैं। दअरसल, एपी ढिल्लों ने हाल ही में बनिता संधू के साथ अपने नए गाने विथ यू के प्रमोशन के दौरान की कुछ तस्वीरें शेयर की, जिसमें वह कलरफुल जूते पहने नजर आ रहे हैं। एपी ढिल्लों की तस्वीरें देखने के बाद यूजर्स दावा कर रहे हैं कि उनके जूते का कलर भारतीय तिरंगे से काफी मिलता जुलता है। इसके बाद से ही उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है। यूजर्स एपी ढिल्लों पर तिरंगे का अपमान करने का आरोप लगा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- यह एक फेमस पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों हैं। 15 अगस्त से ठीक पहले, वह इंस्टाग्राम पर अपने जूते दिखा रहे हैं। उनके जूते का रंग देखें। क्या वह जानबूझकर हमारे तिरंगे का अपमान कर रहे हैं। एक अन्य ने लिखा, ये कोई इंसीडेंट नहीं है बल्कि जानबूझकर किया गया है। हालांकि विवाद बढ़ने पर एपी ढिल्लों ने अपने सोशल मीडिया से यह विवादस्पद पोस्ट हटा दिया। लेकिन इसके बाद भी उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है।

मानुषी छिल्लर को बैक टू बैक दो बड़ी फिल्में हुई ऑफर

पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर एक एक्ट्रेस होने के साथ साथ सेल्फ मेड वूमेन भी हैं जो अपने दम पर अपना करियर संवारने चली हैं और धीरे-धीरे आगे बढ़ रही हैं। फिल्म इंडस्ट्री में मानुषी ने अपनी एक अलग जगह और पहचान बनाई हैं। मानुषी निस्संदेह एंटरटेनमेंट की दुनिया में सबसे प्रमुख प्रतिभाओं में से एक बन कर उभरी हैं और जिसका एक बड़ा सबूत बैक टू बैट उनकी दो बड़ी फिल्मों की अनाउंसमेंट के साथ मिला हैं। बता दें, मानुषी छिल्लर मिस वर्ल्ड 2017 रही हैं। उन्होंने प्रतिष्ठित मिस वर्ल्ड का टाइटल जीतकर ग्लोबल लेवल पर देश को गौरवान्वित किया हैं। अब एक ही दिन में अपनी दो बड़ी फिल्मों की घोषणाओं की खबर के साथ उनकी खुशी का कोई ठिकाना नही रहा हैं। मानुषी की पहली फिल्म जिसका एलान हुआ वो बिग बजट, बाइलिंगुअल फिल्म, ऑपरेशन वेलेंटाइन है। इस फिल्म में एक्ट्रेस फुल ऑन एक्शन मोड में नजर आएंगी और एक रडार ऑफिसर का रोल प्ले करती दिखेंगी। वरुण तेज सह-अभिनीत यह फिल्म 8 दिसंबर, 2023 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। जबकि दिन की दूसरी बड़ी घोषणा उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म, द ग्रेट इंडियन फैमिली卐 को लेकर हुई। इस फिल्म में मानुषी को विक्की कौशल के साथ पेयर किया गया हैं। ये यशराज फिल्म्स द्वारा निर्मित है जो 22 सितंबर, 2023 को सिनेमाघरों में आएगी। यह वास्तव में मानुषी छिल्लर के लिए एक बड़ा दिन है, क्योंकि अपने करियर के शुरुआती दिनों में वो दो सबसे बड़ी इवेंट फिल्मों में दिखाई देंगी, जो दोनों अलग-अलग शैलियों से आती हैं, और यह इंडियन एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में उनकी मांग को भी दर्शाता है। इस खुशी के मौके पर अपनी एक्साइटमेंट शेयर करते हुए, उन्होंने कहा, मैं बेहद एक्साइटेड और रोमांचित हूं कि आज मेरी दो फिल्मों की घोषणा की गई है। ऑपरेशन वेलेंटाइन और द ग्रेट इंडियन फैमिली। एक ही दिन में दो फिल्में! दोनों बिल्कुल अलग शैली हैं।

ड्रीम गर्ल 2 देखकर दर्शक अपनी सीट से गिर जाएंगे

लीक से हटकर काम करने वाले अभिनेता आयुष्मान खुराना जल्द ही ड्रीम गर्ल 2 में दिखाई देंगे। वह पहले ऐसे अभिनेता हैं, जिनके पास कमर्शियल कॉमेडी फिल्म फ्रेंचाइजी है। अभिनेता ने कहा कि उन्होंने ऐसी कोई योजना नहीं बनाई थी। कमर्शियल कॉमेडी फिल्म फ्रेंचाइजी के बारे में बात करते हुए आयुष्मान ने कहा, मैंने कभी योजना नहीं बनाई थी कि मेरी फिल्मोग्राफी में एक हिट कॉमेडी फ्रेंचाइजी होगी। ईमानदारी से कहूं तो यह मेरे साथ गलती से हुआ है। मैंने केवल मनोरंजक प्रोजेक्ट्स की तलाश की है, जिससे मैं अधिक से अधिक लोगों से जुड़ सकूं। उन्होंने कहा, मुझे ड्रीम गर्ल फ्रेंचाइजी का मौका मिला और यह मेरे लिए बिल्कुल सही साबित हुई क्योंकि यह वास्तव में एक ब्रेक-आउट कॉन्सेप्ट है, जिसे फिलहाल किसी ने नहीं किया। आयुष्मान ने कहा कि मुझे हमेशा ऑरिजनल रहना और लीक से हटकर कम करना पसंद है। अभिनेता ने कहा, आपको ड्रीम गर्ल फ्रेंचाइजी से ज्यादा कुछ अलग नहीं मिल सकता, यही कारण है कि मुझे लगता है कि लोगों ने पहली फिल्म को इतना पसंद किया है। उन्होंने कहा, ड्रीम गर्ल 2 के ट्रेलर को मिली प्रतिक्रियाओं से यह पता चलता है कि हम सही रास्ते पर हैं। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि लोग ड्रीम गर्ल 2 को पसंद करेंगे। हमने लोगों के लिए एक मनोरंजक फिल्म लाने के लिए कड़ी मेहनत की है, जिसे देखकर लोग अपनी सीट से गिर जाएंगे।

खतरों के खिलाड़ी से टेलीविजन की दुनिया का गुर सीखा : डेजी शाह

रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 में प्रतिभागी डेजी शाह को लगता है कि वह इस शो से काफी कुछ सीख गई हैं। उन्होंने कहा कि खतरों के खिलाड़ी करने के बाद वह यह सीख चुकी हैं कि टेलीविजन पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं। डेजी शाह ने सलमान खान के साथ फिल्म जय हो से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अभिनेत्री डेजी शाह रियलिटी शो करने वाली बॉलीवुड हस्तियों की लिस्ट में शामिल हो गई हैं। वह वर्तमान में फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 13 में प्रतिभागी हैं। अभिनेत्री को बुधवार को शिव ठाकरे और साउंडस मौफाकिर के साथ गेमिंग चैलेंज में भाग लेते देखा गया। अभिनेत्री ने शो खतरों के खिलाड़ी में अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, इस शो के लिए मुझे सभी से बहुत प्यार मिल रहा है। मैंने इस तरह के प्यार की उम्मीद नहीं की थी। इस शो को करने का मकसद बड़े पैमाने पर दर्शकों से जुड़ना था। उन्होंने कहा, मुझे इस बारे में कोई अंदाजा नहीं था कि टीवी की दुनिया कैसे चलती है। अब मैंने सीख लिया है कि टेलीविजन में क्या करना चाहिए और क्या नहीं। यह सीखने का एक शानदार अनुभव रहा है। मैंने इस शो के साथ बहुत अच्छी यादें और दोस्त बनाए हैं। शो में अपने विभिन्न स्टंट के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, स्टंट शुरू करने से ठीक पहले एक तितली जैसा एहसास होता है लेकिन फिर आपको रोहित सर की आवाज सुनाई देती है कि आप यह कर सकते हैं। यह आपको स्टंट करने के लिए प्रेरणा देता है।

ड्रीम गर्ल 2 से रिप्लेस करने पर छलका नुसरत भरुचा का दर्द, बोलीं- यह नाइंसाफी है...

साल 2019 में रिलीज हुई आयुष्मान खुराना और नुसरत भरुचा की फिल्म ड्रीम गर्ल को बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता मिली थी। वहीं अब मेकर्स इस फिल्म का सीक्वल ड्रीम गर्ल 2 लेकर आ रहे हैं। ड्रीम गर्ल 2 में आयुष्मान के साथ अनन्या पांडे अहम किरदार में नरज आने वाली हैं। हाल ही में नुसरत भरुचा ने ड्रीम गर्ल 2 का हिस्सा नहीं बनने पर अपना रिएक्शन दिया है। नुसरत को इस बात का दुख है कि उन्हें ड्रीम गर्ल 2 में कास्ट नहीं किया गया। जबकि वह फिल्म के पहले पार्ट यानी ड्रीम गर्ल का हिस्सा थीं। नुसरत ने कहा, मैं ड्रीम गर्ल का हिस्सा थी और मैं पूरी टीम से बहुत प्यार करती हूं। मैं उनके साथ काम करना बुरी तरह मिस करती हूं। नुसरत ने कहा, लेकिन मुझे ड्रीम गर्ल 2 में क्यों कास्ट नहीं किया, इसका जवाब वही लोग दे सकते हैं। मुझे नहीं पता। कोई लॉजिक भी नहीं है और कोई जवाब भी नहीं है। लेकिन उन्होंने मुझे कास्ट क्यों नहीं किया? मैं भी इंसान हूं, तो जाहिर है दुख तो होता है। और हां, यह नाइंसाफी है। लेकिन मैं समझती हूं। ये उनका फैसला है। कोई बात नहीं।